कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 18 फ़रवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1286 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

Mob. : 9614873762
MOBILES GALAXY
(Sales and Service)
G. T. ROAD, NEAMATPUR

NEAMATPUR
MUKTI FOUNDATION
Since - 2016
(With A.C. Facility)
Regd. No. SO263373
A THERAPEUTIC HEALING COMMUNITY
FOR THE MARGINALISED A REHABILITATION CENTRE
FOR MENTALLY SICK PERSON
DRUG ADDICT / ALCOHOLIC
यहाँ पर शराब, गांजा, ड्रग्स, चारित्रिक दोष तथा मानसीक
रोगीयों का पूनर्वास किया जाता है।
এখানে মদ, গাঁজা, ড্রাগ, চারিত্রিক দোষ এবং মানসিক বিকার
ব্যক্তিদের পুনর্বাস করানো হয়।
नशा मुक्ति केन्द्र
নেশা মুক্তি কেন্দ্র
Call Us : 9093912138 / 9775313076 / 9609135428
NEAMATPUR, SUNDERCHAK POST OFFICE
(NEAR NEW PAANI TANKI) LITHURIA ROAD
website : www.neamatpurmuktifoundation.com

ममता बनर्जी बनेगी इंडिया महागठबंधन की अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (दुर्गापुर): तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि ममता बनर्जी इंडिया महागठबंधन की अध्यक्ष बनेंगी।

उन्होंने कहा कि जो भी ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ने पश्चिम बंगाल आएगा, उसे हार का सामना करना पड़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में दीदी इंडिया ब्लॉक की अध्यक्ष बनेंगी। वह देश का नेतृत्व भी करेंगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर भी कीर्ति आजाद ने प्रतिक्रिया दी। भागवत ने कहा था कि हिंदू भारतीय समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस पर टीएमसी सांसद ने कहा कि आरएसएस और बीजेपी के पास सिर्फ जुमले हैं और उनका काम लोगों को गुमराह करना है।

कीर्ति आजाद ने कहा, "आरएसएस के लोग शुरूआत से ही अंग्रेजों के साथी थे। उन्होंने देश के बंटवारे में भूमिका निभाई। दुनिया उनके बारे में जानती है। वे धर्म के नाम पर एकजुट होते हैं। मगर जब आप उनसे पूछें कि आरएसएस या बीजेपी ने क्या किया तो उनके पास सिर्फ जुमले हैं। लोगों को गुमराह करना उनका काम है।

इससे पहले रविवार को, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बर्दवान में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हिंदू समाज की विविधता और 'मिजाज' पर जोर दिया और सभी से ऐसी विविधता को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

शुभेंदु अधिकारी समेत भाजपा के 4 विधायक सस्पेंड

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (कोलकाता): पश्चिम बंगाल विधानसभा से नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी समेत 4 बीजेपी विधायकों को सोमवार को सस्पेंड कर दिया गया. इनमें सुवेंदु अधिकारी के अलावा अग्निमित्रा पॉल, विश्वनाथ कारक और बीजेपी विधायक बंकिम घोष शामिल हैं.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी विधायकों को 30 दिनों के लिए सस्पेंड किया गया है. ये कार्रवाई बीजेपी द्वारा उठाए गए एक प्रस्ताव के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राज्य में सरस्वती पूजा की अनुमति नहीं है.

नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने इस मामले को लेकर ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा, 'विधानसभा अध्यक्ष किसी काम के नहीं हैं. ममता बनर्जी खुद सदन में नहीं आती और जब हम विधानसभा में नहीं आते तो हम पर नजर रखी जाती है. सदन में जब हम आते हैं तो वो खुद गायब हो जाती हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा चौथी बार हुआ है. जब बीजेपी विधायकों को सस्पेंड किया गया है. 2022 में चार-महीने सस्पेंड किया गया. उसके बाद फिर एक महीने के लिए, फिर दो महीने कुल मिलाकर 8 महीने हम लोगों को सदन से बाहर रखा गया.

ममता सरकार पर निशाना साधते हुए सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'सदन में हम ही एकमात्र विपक्ष हैं और हमको भी सदन में नहीं रहने दिया जा रहा. हम हिंदुओं के वोटों से जीतकर आए हैं इसलिए हम उनकी आवाज

उठाते रहेंगे. ये हिंदू विरोधी सरकार है. ममता सरकार सिर्फ अल्पसंख्यकों के लिए काम करती है.'

बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल के नेतृत्व में महिला विधायक सरस्वती पूजा में 'बाधा' पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लाई थीं, लेकिन स्पीकर बिमान बनर्जी ने इस मामले पर बहस की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद बड़ा हंगामा हुआ. बीजेपी विधायक विधानसभा से बाहर चले गए. बनर्जी ने कहा, 'टीएमसी विधायक निर्मल घोष ने एक प्रस्ताव पेश किया था और जिस तरह से विपक्षी नेता ने मेरी कुर्सी पर दस्तावेज फेंके, वो बहुत निंदनीय है. घोष ने प्रस्ताव रखा कि उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए. एक मतदान हुआ जिसके आधार पर बीजेपी विधायकों को 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया.

रघुनाथपुर नगरपालिका भ्रष्टाचार का अड्डा- पार्षद

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पुरुलिया): आवास योजना में भ्रष्टाचार से लेकर नगर पालिका में अवैध भर्ती सहित कई मामलों में दुर्नीति के आरोप में सोमवार को भाजपा ने तृणमूल द्वारा संचालित रघुनाथपुर नगरपालिका को घेर लिया और भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया है। इधर रघुनाथपुर नगर पालिका चेयरमैन तारणी बाउरी ने भाजपा पार्षद दिनेश शुक्ला द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया। हालांकि, रघुनाथपुर थाने से भारी संख्या में पुलिस बल नगर पालिका पहुंचा और पूरी स्थिति को संभाला।

जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर नगर पालिका के वार्ड 7 के भाजपा पार्षद दिनेश शुक्ला के नेतृत्व में वार्ड 7 की भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं की महिलाएं नगर पालिका के मुख्य द्वार के बाहर एकत्रित हुईं और विक्षोभ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर भ्रष्टाचार से लेकर चेयरमैन के फर्जी पैड और हस्ताक्षर का इस्तेमाल करके तृणमूल नेता पैसा कमा रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के लिए निविदा में भी नगरपालिका का भ्रष्टाचार है। चेयरमैन तारणी बाउरी के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए एवं उन्हें एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि नगर पालिका आवास योजना में व्यापक भ्रष्टाचार कर रही है, आवास योजना का पैसा आम लाभार्थियों के खाते में न जाकर तृणमूल कार्यकर्ताओं और प्रभावशाली लोगों के खाते में जा रहा है।

टेंडर भ्रष्टाचार के अलावा नगरपालिका में अवैध भर्ती भी हो रही है। चेयरमैन ने दो तृणमूल पार्षदों की बेटियों को अवैध रूप से नगरपालिका में नियुक्त किया है। तृणमूल नेता चेयरमैन के फर्जी पैड और हस्ताक्षर का उपयोग कर पैसा कमा रहे हैं, लेकिन चेयरमैन कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

मां कैंटीन के नाम पर नगर पालिका लाखों रुपए की ठगी कर रही है। भाजपा पार्षद दिनेश शुक्ला ने कहा कि रघुनाथपुर नगर पालिका अब भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। नगरपालिका के निवासी तृणमूल के शोषण का शिकार हो रहे हैं। जैसे हमने 2025 में केजरीवाल को यमुना में बहा दिया, वैसे ही हम 2026 में तृणमूल कांग्रेस को गंगा में डुबो देंगे।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने डब्ल्यूसीएल का किया दौरा

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पांडवेश्वर): कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की दौरा के क्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कंपनी के प्रदर्शन और रणनीतिक पहलों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता किया,

डब्ल्यूसीएल मुख्यालय पहुंचने पर कोयला मंत्री का सीएमडी जेपी द्विवेदी ने फूल का गुलदस्ता देकर आत्मीय स्वागत किया,

कोयला मंत्री ने मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर कोयला योद्धाओं को नमन किया और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत एक पौधा लगाया और एक कॉफी टेबुल बुक का भी विमोचन किया,

कोयला मंत्री ने कोयला उत्पादन, प्रेषण और परिचालन दक्षता का मूल्यांकन किया तथा बढ़ती ऊर्जा मांगो को स्थायी रूप से पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया.

अगर कोई तोड़फोड़ करने आये तो उन्हें खदेड़ें

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (कोलकाता): रेलवे क्वार्टरों से अतिक्रमण रोकने के संबंध में तृणमूल कांग्रेस के विधायक असित मजूमदार ने भड़काऊ बयान दिया है. उन्होंने लोगों से कहा कि अगर कोई तोड़फोड़ करने आये तो उन्हें खदेड़ें. रेलवे ने चुंचुड़ा के बैंडेल लोकोपाड़ा में कुछ परित्यक्त क्वार्टरों को खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया था. इन क्वार्टरों में वर्षों से लोग रह रहे हैं, जिनमें कई पूर्व रेलवे कर्मचारी और उनके परिवार शामिल हैं. रेलवे के अमृत भारत परियोजना के तहत बैंडेल स्टेशन का विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिसके लिए जगह की जरूरत है. रविवार को जब रेलवे ने इन क्वार्टरों को तोड़ने का काम शुरू किया, तो विधायक असित मजूमदार अपने कार्यकर्ताओं और स्थानीय प्रधान के साथ वहां पहुंच गये. उन्होंने स्थानीय निवासियों से कहा कि अगर कोई तोड़ने आये तो उन्हें खदेड़ दें. उन्होंने आश्वासन दिया कि वह और उनकी पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी. भाजपा हुगली जिला संगठन के सचिव सुरेश साव ने विधायक के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि बैंडेल स्टेशन का विस्तार हो रहा है और रेलवे उन क्वार्टरों को खाली करवा रही है, जहां अब कोई रेलवे कर्मचारी नहीं रहता है. अगर विधायक को उन लोगों की चिंता है, तो उन्हें राज्य सरकार की जमीन पर पुनर्वास देना चाहिए, न कि कानून हाथ में लेने के लिए उकसाना चाहिए.

मां के शव के साथ बेटा पांच दिनों तक घर के अंदर पड़ा रहा

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (कोलकाता): हावड़ा के दासनगर थाना अंतर्गत बालिटीकुड़ी इलाके में मां के शव के साथ बेटा पांच दिनों तक घर के अंदर पड़ा रहा। मृतका का नाम पंपा नंदी (50) है, जबकि बेटे का नाम सूरज नंदी है। रविवार देर शाम पड़ोसियों ने तेज दुर्गंध मिलने पर पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो पंपा एक कमरे में मृत हालत में पड़ी थी, जबकि सूरज दूसरे कमरे में था। बताया जा रहा है कि सूरज मानसिक रूप से विक्षिप्त है। पंपा नंदी के पति की लगभग तीन वर्ष पूर्व कोविड से मौत हो गई थी। वह बेटे के साथ रहती थीं। बेटा हाल के दिनों से बेरोजगार था। मां-बेटे का पड़ोसियों से मिलना-जुलना नहीं था। जब घर से तेज दुर्गंध आने लगी, तभी पड़ोसियों को शक हुआ। पुलिस को खबर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो कमरे के अंदर पंपा नंदी बिस्तर पर मृत पड़ी थी। उसका शरीर सड़ चुका था और दूसरे कमरे में बेटा सूरज बिस्तर पर था। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिलाओं फोरम की राष्ट्रीय बैठक में विप्स ईसीएल को मिला तीसरा पुरस्कार

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पांडवेश्वर): नई दिल्ली में आयोजित सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं के फोरम की 35वीं राष्ट्रीय बैठक में मिनीरत्न और अन्य श्रेणी के तहत विप्स ईसीएल को तीसरा पुरस्कार मिला,17 फरवरी, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं के फोरम विप्स की 35वीं राष्ट्रीय बैठक में विप्स ईसीएल को तीसरा पुरस्कार दिया गया, यह पुरस्कार स्कोप के महानिदेशक अतुल सोबती द्वारा प्रदान किया गया,

इस अवसर पर ईसीएल के सीएमडी सतीश झा ने विप्स ईसीएल को तीसरा पुरस्कार मिलने पर बधाई दिया और कहा की विप्स ईसीएल को यह सम्मान सार्वजनिक क्षेत्र में लैंगिक, समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ईसीएल विप्स समन्वयक श्रीमती भवानी त्रिपाठी ने टीम का नेतृत्व किया.

जिला प्रशासन से 100 दिन रोजगार योजना की रिपोर्ट नबान्न ने मांगी

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार यह आरोप लगाती रही हैं कि केंद्र सरकार 100 दिन के रोजगार की योजना का बकाया नहीं दे रही है. 2022 से मनरेगा का पैसा देने के लिए कई बार आवेदन किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे अब तक मंजूरी नहीं दी है.

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राज्य के पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार ने मिलने का समय मांगा है. उनके साथ बातचीत से पहले अपनी तैयारियों को वह मजबूत करना चाह रहे हैं. सभी जिला प्रशासन से 100 दिन के रोजगार योजना के तहत फर्जी जॉब कार्ड से संबंधित तथ्य नबान्न ने उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक में राज्य के पंचायत मंत्री सभी तथ्य उपलब्ध करा सकें, इसलिए जिला प्रशासन से सभी तरह की जानकारी मांगी गयी है. हाल ही में मनरेगा से जुड़े नोडल अधिकारियों के साथ पंचायत विभाग ने वर्चुअल बैठक की है. बैठक में फर्जी जॉब कार्ड को लेकर तथ्य तैयार रखने को कहा गया है. जो जॉब कार्ड रद्द हुए हैं, उनके होल्डर्स ने अतीत में रुपये लिये हैं या नहीं, इसकी जांच करने को भी कहा गया है.

इस योजना के तहत जो कार्य हुआ है, उसके ऑडिट का काम जल्द खत्म करने का निर्देश भी दिया गया है. पिछले 25 जनवरी को केंद्र सरकार ने मनरेगा को लेकर राज्य सरकार को एक पत्र भेज कर रद्द जॉब कार्ड को लेकर बात उठायी है. किन-किन कारणों से जॉब कार्ड रद्द किया जायेगा, इस बारे में भी स्पष्ट कर दिया गया है. इसमें कहा गया है कि तीन वर्षों तक यदि कोई काम नहीं करता है, अपने निवास स्थान से लंबे समय के लिए अन्यत्र जाने व एक ही परिवार में कई जॉब कार्ड व जॉब कार्ड होल्डर की मौत के कारण हो सकते हैं. केंद्र ने स्पष्ट किया है कि ऐसे लोगों का जॉब कार्ड रद्द करने का काम राज्य सरकार को ही करना होगा. यदि किसी जॉब कार्ड होल्डर की मौत हुई है तो उसके परिवार को रुपये मिले हैं कि नहीं, इसकी स्पष्ट तौर पर जानकारी देने को कहा गया है. राज्य के पंचायत मंत्री बैठक से पहले सभी तथ्य अपने पास रखना चाह रहे हैं, ताकि केंद्र सरकार बकाया देने को तैयार हो जाये.

ट्रेन समय से चलाने की मांग पर प्रदर्शन

কোলফীল्ड मिरर 18 फरवरी (खड़गपुर): ट्रेनों को समय सारणी के अनुसार चलाने की मांग पर सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खड़गपुर में एस यू सी आई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

शहर के साउथ साइड इलाके में किए गए इस प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता सुरंजन महापात्रा, गौरी शंकर दास, दिनेश मेइकाप व अनंत माझी आदि उपस्थित थे। इस मुद्दे पर 27 फरवरी को डीआरएम ऑफिस के समक्ष धरना प्रदर्शन की भी घोषणा की गई। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि ट्रेन समय से ना चलने की भारी कीमत आम जनता को चुकानी पड़ रही है। श्रमिक और मेहनतकश वर्ग इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बड़ी संख्या में सब्जी और फूल विक्रेता आदि ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं। ट्रेन लेट होती है तो उनकी रोजी-रोटी मारी जाती है। कई पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस बनाकर यात्रियों की जेब काटी जा रही है।

जबकि ट्रेनों की स्पीड और स्टॉपेज वगैरह सब समान है। कोरोना काल में बंद किए गए कई ट्रेन अभी तक चालू नहीं किए गए हैं। इन ट्रेनों को फिर से शुरू करना होगा। मांगे ना माने जाने पर उन्होंने बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी।

चिल्ड्रेन स्पोर्ट्स मीट में बाल गोपालों ने किया कमाल

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खड़गपुर शहर के तालबगीचा, सुकांतनगर में द्वितीय चिल्ड्रेन्स स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। जिसमें 80 बालक और 40 बालिकाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रख्यात खिलाड़ी व कोच श्रीपर्ना नंदा, मास्टर्स एथेटिक रीना बेरा, ईस्ट बंगाल एथलेटिक टीम के कोच अदिनाथ भट्टाचार्य, राज्य की खड़गपुर इकाई के अमितेश कुंडू व आयोजक संस्था संजीवनी क्लब के सचिव प्रद्युत दासगुप्ता आदि अतिथि के रूप में मौजूद थे।तीन श्रेणियों में कुल 17 प्रकार के खेल आयोजित किए गए थे। प्रत्येक फाइनल में भागीदारी को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए वक्ताओं ने कहा कि खेलकूद के प्रति आकर्षण बाल अवस्था में ही शुरू हो जानी चाहिए। इससे खेलकूद में करियर बनाने का सुअवसर हाथ लगता है। अभिभावकों को भी इसे लेकर जागरूक होना होगा।

CBSE-Class XI Arts /Science & Commerce free admission going on.

Amount is Rs.25, 000 (Rs.10, 000 is the refundable security amount and Rs.15, 000 is adjustable with the hostel fees)

CONTACT NO- 9046111651, 7478052188

ADDRESS- BEHIND PP GORAI BUILDING ,HARIBOL TALA, HUTTON ROAD ,ASANSOL 713301

"Packing bags, arranging old stuff was not easy as I thought, my memories over weighed my luggage as I left my hostel room for the last time"

सेल आईएसपी की टीम ने एआईएमए की 8वीं यंग मैनेजर्स सिमुलेशन चैंपियनशिप में जीत हासिल की

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (बर्नपुर): एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए इस्को स्टील प्लांट के ई.आर.पी. विभाग में कार्यरत ए.जी.एम.(सहायक महा प्रबंधक) विकास कुमार, अभिषेक कुमार और वरिष्ठ प्रबंधक हिमांशु कुमार यादव की टीम ने संयंत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑल -इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (ए.आई.एम.ए.) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 8वीं यंग मैनेजर्स सिमुलेशन चैंपियनशिप (YMS) 2025 में राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता है।

यह आयोजन 40 वर्ष से कम उम्र के भारतीय कॉर्पोरेट्स और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यू.) के अधिकारियों को लक्षित करते हुए आयोजित किया जाता है, जहां उन्हें शीर्ष निर्णयकर्ताओं और प्रशासकों द्वारा सामना की जाने वाली जटिल व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने का अनुभव प्रदान किया जाता है। प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों की तरह व्यावसायिक रणनीतियाँ तैयार करने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने का काम सौंपा जाता है।

इस वर्ष, संयंत्र-स्तरीय बिजनेस सिमुलेशन गेम, रणनीति के शीर्ष दो फाइनलिस्ट टीमों को प्रतियोगिता में इस्को स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था। दोनों टीमों ने उत्कृष्ट कौशल और रणनीति का प्रदर्शन करते हुए, अग्रणी निगमों और पीएसयू की 27 टीमों के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा की।

कड़ी प्रतिस्पर्धी राउंड की श्रृंखला का सामना करने के बाद बाद उक्त टीम विजयी रही और 12 फरवरी, 2025 को YMS 2025 के लिए राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब हासिल किया। इस्को स्टील संयंत्र के इतिहास में पहली बार है जब किसी टीम ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब जीता है।

इस जीत पर बधाई देते हुए, प्रभारी निदेशक अनिर्बान दासगुप्ता ने उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि "यह जीत हमारे युवा प्रबंधकों के समर्पण, रणनीतिक मानसिकता और समस्या-समाधान क्षमताओं का प्रमाण है"|

ईसीएल के सीएमडी और डीटी ने एक साथ किया काजोरा क्षेत्र का दौरा

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पांडवेश्वर): ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने तकनीकी निदेशक नीलाद्रि रॉय के साथ काजोरा क्षेत्र के जामबाद ओसीपी का निरिक्षण किया एवं सम्बन्धित अधिकारीयों एवं कोलियरी प्रबंधन को आवश्यक दिशा निर्देश दिया,

सीएमडी और तकनीकी निदेशक को जामबाद ओसीपी पहुंचने पर काजोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार ने फूल का गुलदस्ता देकर आत्मीय स्वागत किया, सीएमडी ने परासकोल जामबाद परियोजना के प्रगति के बारे में भी जानकारी लिया एवं सम्बन्धित अधिकारीयों को तीव्र गति से कार्य को आगे बढ़ाने हेतु दिशा निर्देश दिया.

अमृत योजना में शामिल सीतारामपुर स्टेशन का परिचय बोर्ड नदारत

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (नियामतपुर): आसनसोल रेल मंडल के अंतर्गत सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन पर लगा रहने वाला स्टेशन परिचय बोर्ड नहीं रहने से यात्रियों को हो रही समस्या के मद्देनजर सीतारामपुर अमृत भारत स्टेशन कमेटी के सदस्य संतोष कुमार वर्मा ने डीआरएम आसनसोल को पत्र लिखकर रेलवे यात्री समस्या की जानकारी ईमेल आईडी के माध्यम से दिया।

अमृत भारत स्टेशन कमेटी के सदस्य संतोष कुमार वर्मा ने कहा कि अमृत भारत से सम्मानित सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन का परिचय नामकरण बोर्ड काफ़ी समय नहीं लगा हुआ हैं। यात्रियों का कहना हैं सीतारामपुर लिखा बोर्ड गुम हो गया हैं। हर दिन अन्य अन्य स्थानों से आने वाले यात्रियों को काफ़ी परेशानी हो रही हैं।

श्री वर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय रेलवे के कायाकल्प के लिए शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 27 राज्यों के 300 जिलों में स्थित 550 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इस योजना में सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन का नाम शामिल होना सीतारामपुर के निवासियों के लिए गर्व की बात है। उस दौरान आसनसोल रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के अमृत काल के पवित्र समय में जोड़ा गया था। सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन के बाहर स्टेशन का परिचय बोर्ड, जो स्टेशन का नाम रेलवे यात्रियों को दर्शाता है, वह बोर्ड 6 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक नहीं लगाया गया है।

श्री वर्मा ने कहा सीतारामपुर जंक्सन लिखा स्टेशन का महत्वपूर्ण परिचय बोर्ड यात्रियों की सुविधा के लिए लगे। इसके लिये डीआरएम आसनसोल निवेदन पत्र दिया गया हैं। श्री वर्मा ने कहा सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन के तर्ज पर हो रहे विकास कार्य में लापरवाही देखने को मिल रही है। सीतारामपुर अमृत भारत स्टेशन कमेटी के सदस्य होने के नाते, मैंने रेलवे प्रशासन स्टेशन के विकास कार्य की गहन जांच और समीक्षा का अनुरोध किया हूँ।

कौशल विकास केंद्र का विधायक एवं जीएम ने किया उदघाटन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पांडवेश्वर): सोनपुर बाजारी क्षेत्र की सीएसआर गतिविधियों के तहत चिंचुरिया गांव में कौशल विकास केंद्र का उदघाटन जामुडिया के विधायक हरेराम सिंह और सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन ने संयुक्त रूप से किया, इस कौशल विकास केंद्र का संचालन योग्य शिक्षक के द्वारा किया जाएगा और इस कौशल विकास केंद्र में ब्यूटीशियन का एक वर्ष का पाठ्यक्रम दिया जाएगा,

विधायक हरेराम सिंह ने इस अवसर पर कहा की कंपनी को अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत इलाके में कार्य करने से इलाके का विकास के साथ बेरोजगार युवक युवतियों को भी रोजगार मिलने की संभावना होती है,

उन्होंने कहा की इस कौशल विकास केंद्र खुलने और ब्यूटीशियन का परीक्षण होने से आसपास के गांवों के महिलाओं के कौशल को विकसित करने के साथ रोजगार के अवसर भी प्राप्त होगी,

क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन ने कहा कि ईसीएल प्रबंधन अपने खनन क्षेत्र के आसपास के इलाकों में सीएसआर के तहत विकास कार्य कराने के साथ रोजगार सृजन करने के लिए भी कार्य करती है और आज कौशल विकास गतिविधियों के तहत, 160 युवतियों को ब्यूटीशियन का परीक्षण करने की मंजूरी दी है, लेकिन आज 40 छात्राओं ने कार्यान्वयन एजेंसी इंद्रा गांधी व्यवसायिक प्रशिक्षण और कल्याण ट्रस्ट के तहत पाठ्यक्रम शुरु किया जा रहा है,

इस अवसर पर सीएसआर अधिकारी अभिषेक ढूंढवाल समेत अन्य उपस्थित थे,

पुलिस ने जुड़वा बहनों की गुमशुदा का पोस्टर लगाकर एक लाख रुपया इनाम देने क घोषणा की

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (पांडवेश्वर): कुमारडी बाउरी पाड़ा की रहने वाली दो जुड़वा बहने बीते ढाई महीने से लापता है। बताया जा रहा है की जहां ढाई महीने से दो नाबालिक जुड़वा बहन लापता है जिसे लेकर उनके परिजन ने पांडवेश्वर थाना में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद भी उन दोनों लापता बहनों की कोई खबर नहीं मिली। जिसे लेकर उनके परिजनों द्वारा पांडवेश्वर थाना में हंगामा के साथ प्रदर्शन भी हुआ था। उसके बाद भी दोनों बहनों की कोई खबर नहीं मिली।

इसके बाद आखिरकार पुलिस वालों ने सभी जगह दो जुड़वा बहनों की गुमशुदा का पोस्टर लगाकर इन दोनों बहन के विषय में सूचना देने वाले को एक लाख रुपया इनाम देने की घोषणा की है। इस संदर्भ में उनके परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस उनके बच्चे को नहीं खोज पा रही है तो पुलिस छोड़ दे। वे लोग इस मामले को सीबीआई से जांच करवाएंगे।

जामुड़िया भाजपा मंडल चार के एक बार फिर अध्यक्ष बने संजय सिंह

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (जामुड़िया): दिल्ली चुनाव जितने के बाद भाजपा उत्साह से लबरेज है वही पश्चिम बंगाल मे होने वाले 2026 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारीया जोर-शोर से कर रही है. इसके लिये भाजपा के कार्यकर्ता हर जगह-जगह पर बैठक कर इस विधानसभा चुनाव में इनकी जीत किस प्रकार से सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा कर रही है.

इसी क्रम में आज भाजपा मंडल अध्यक्ष चार के नेतृत्व में जामुड़िया के नंदी रोड स्थित भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया. संवाददाता सम्मेलन से पहले जामुड़िया मंडल चार अध्यक्ष के पद पर संजय सिंह को दुसरी बार चुने जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया. इस संवाददाता सम्मेलन के मौके पर जामुड़िया मंडल चार अध्यक्ष संजय सिंह, तापस राय, संतोष सिंह, प्रमोद पाठक, साधन माजी, अनिरुद्ध पासवान सहित भाजपा के कार्यकर्त्ता एवं समर्थक उपस्थित थे. संजय सिंह को एक बार फिर से मंडल चार का अध्यक्ष बनाया गया है। इस मौके पर जामुड़िया मंडल चार के भाजपा नेताओं की तरफ से उनको सम्मानित किया गया।

इस मौके पर संजय सिंह ने कहा कि वह खुद को बेहद गौरवान्मित महसूस कर रहे हैं कि पार्टी की तरफ से उनपर फिर से भरोसा जताया गया है। संजय सिंह ने कहा कि अब सभी बीजेपी कार्यकर्ताओं का एक ही लक्ष्य है और वह आने वाले बंगाल चुनाव में टीएमसी को सत्ता से उखाड़ फेंकना। इसके लिए फरवरी से ही मुहिम शुरू की जाएगी।

महाकुम्भ से स्नान कर लौट रहे तीर्थयात्री सड़क हादसे में घायल

शुवेंदु लायेक

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (बांकुड़ा): गंगाजलघाटी जंगल में मारुति कार पलटने से तीन तीर्थयात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बचाया और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस सूत्रों के अनुसार तीनों घायल बांकुड़ा के गोविंदनगर इलाके के निवासी हैं।

सूत्रों के अनुसार, तीर्थयात्री महाकुंभ में स्नान करने के बाद बांकुड़ा स्थित अपने घर लौट रहे थे। वापस आते समय सोमवार सुबह उनकी कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और गंगाजलघाटी के जंगल में पलट गई। कार में सवार तीन तीर्थयात्री घायल हो गए। सूचना मिलने पर गंगाजल घाटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को बचाया और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उन्हें वहां से बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया।

स्व. महादेव मुखर्जी के स्मरण में 22 फरवरी को विभिन्न कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (आसनसोल): सीपीआईएमएल नेता स्व. महादेव मुखर्जी के पुत्र मृत्युंजय मुखर्जी ने रविवार पुलिस लाइन स्थित इस्पात इंटरनेशनल होटल में प्रेस मीट का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने आने वाले 22 फरवरी को श्रीपल्ली इलाके में मुखर्जी निवास में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर, नेत्र जांच शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

मृत्युंजय मुखर्जी ने कहा कि हर साल उनके पिता स्वर्गीय महादेव मुखर्जी की याद में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस साल भी इसका आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 22 फरवरी सुबह 10 बजे से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महादेव मुखर्जी ने एक नई समाज व्यवस्था के निर्माण के लिए आजीवन प्रयास किया और आज जबकि स्वस्थ संस्कृति कहीं पीछे छूट जा रही है। ऐसे में यह बहुत जरूरी हो जाता है कि इस तरह के कार्यक्रम किए जाएं जिससे कि एक बार फिर हम अपने जड़ों से जुड़ सकें।

उन्होंने बताया कि 22 फरवरी को होने वाले कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर, नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इनमें रवींद्र संगीत रवींद्र नृत्य इसके अलावा यहां पर चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतिभागियों को विभिन्न विभागों में बांटकर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

पत्रकार सम्मेलन में मृत्युंजय मुखर्जी के साथ नीलोदपाल रायचौधारी सहित अन्य उपस्थित।

विभिन्न आपराधिक घटनाओं में संलिप्त 171 लोगो को पुलिस ने पकड़ा

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (रानीगंज): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के रानीगंज थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक विकास दत्ता के नेतृत्व में एक विशेष पुलिसिया कार्रवाई की गयी| जहां पुलिस ने विभिन्न अपराधीक घटनाओं में संलिप्त 171 लोगो को पकड़ा हैं| पहले पुलिस ने एक अपराधी को पकड़ा जिसके पास से अग्निअस्त्र भी बरामद हुए हैं| उसके बाद जामताड़ा के सक्रिय अपराधियों को भी पुलिस ने पकड़ा| उसके बाद एक घर में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ा जिसके पास से चोरी की समान भी बरामद हुए हैं| वही जुआ के ठेक से दर्जनों लोगों को पुलिस ने पकड़ा| इसके अलावा छोटे-मोटे चोरी की घटनाओं मे जुड़े लोगों को पकड़ा| इसके अलावा अवैध शराब बिक्री एवं सेवन करने वाले दर्जन लोगों को पुलिस ने पकड़ा| वही वारंट मैं जुड़े लोगों को भी पुलिस ने पकड़ा है| कुल मिलाकर 171लोगो को पुलिस ने पकड़ा है| जो रानीगंज थाना के विभिन्न इलाकों में इन घटनाओं को अंजाम दे रहे थे|

वही अग्नेयस्त्र के साथ पकड़े गए अपराधी की पहचान सौरभ सिंह के रूप में हुई हैं| जिसके पास से पुलिस को एक पिस्टल एवं गोली भी बरामद हुए हैं | वह क्षेत्र के बल्लभपुर पेपर मिल के पास घूम रहा था| जहां किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था| उसके पहले ही पुलिस को गुप्त सूचना से जानकारी मिली एवं पुलिस ने उसे धर दबोचा| अब पुलिस इन आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है|

आसनसोल मंडल द्वारा "पीर मेला" के दौरान रानीगंज स्टेशन पर विशेष व्यवस्था

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (आसनसोल): रानीगंज में "पीर मेला" में भाग लेने वाले यात्रियों की अपेक्षित भीड़ से निपटने के लिए "पीर मेला" के दौरान दिनांक 19.02.2025 से 28.02.2025 तक रानीगंज स्टेशन पर सभी पैसेंजर/ मेमू ट्रेन को दो (2) मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा। पूर्व रेलवे आसनसोल मंडल के रानीगंज स्टेशनों पर "पीर मेला" अवधि के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त जल आपूर्ति, अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था, ट्रेनों की समय पालनता बनाए रखने आदि के लिए पर्याप्त आवश्यक सुविधा व्यवस्था की जाएगी। असुविधा से बचने के लिए यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

ट्रक की चपेट आने से मोटरसाइकिल सवार 2 की मौत

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (जामुड़िया): जामुड़िया थाना के केंदा पुलिस फाड़ी क्षेत्र के चाकडोला तिराहे मोड़ स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 60 पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी,जिससे बाइक करीब 100 मीटर तक घसीटती चली गई। इस हादसे में बाइक सवार केंदा निवासी दयामय सूत्रधार (62) और बीरभूम के चांदीपुर अभिरामपुर निवासी कालोसोना दास (52) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित भीड़ ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। वही जामुड़िया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक और उसके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है जिनकी वजह से ये दुर्घटना हुई। आपको बता दे कि यह पहली बार नहीं है जब चकदोला के तिराहे मोड़ पर ऐसी घटना हुई हो। इस इलाके में पहले भी कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, जिससे यह जगह दुर्घटना संभावित क्षेत्र बनता जा रहा है। वही स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यहाँ ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा उपायों की मांग की।

आज का राशिफल

18 फ़रवरी 2025
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999
कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन बढ़िया रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। कार्यों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी। सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रह सकती है।

वृषभ

दिन मिलाजुला रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आपका रहन-सहन आज कष्टमयी हो सकता है। जीवनसाथी का भरपूर साथ मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी है। वाणी में मधुरता रहेगी। रुके हुए धन प्राप्त हो सकते है।

मिथुन

दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। धार्मिक यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। व्यर्थ के विवादों से बचना होगा। अचानक धन प्राप्ति होने की संभावना है। मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। खर्च में वृद्धि होगी।

कर्क

दिन सामान्य रहेगा। संयत रहने की आवश्यकता है। विवाद से बचना होगा। धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। मन परेशान हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। खर्च बढ़ सकते हैं। आशा-निराशा के मिश्रित भाव आपके मन में बने रहेंगे।

सिंह

दिन उत्तम रहेगा। मन शान्त रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कन्या

दिन बढ़िया रहेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करेंगे। किसी मित्र के सहयोग में कारोबार में परिवर्तन की संभावना बन रही हैं। नौकरी में मतभेद हो सकते हैं।

तुला

दिन मिलाजुला रहेगा। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। पिता से धन प्राप्त होगा। सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक

दिन अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी क्षेत्र में उच्चपद की प्राप्ति होने की संभावना है।

धनु

दिन सुखद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। आय के साधन विकसित हो सकते हैं।

मकर

दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। शासन सत्ता का सहयोग एवं सानिध्य मिल सकता है।

कुंभ

दिन मिलाजुला रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। खर्च बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

मीन

दिन सामान्य रहेगा। मन में आशा-निराशा के भाव आ सकते हैं। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। कारोबार के उद्देश्य से की गई यात्रा लाभप्रद रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। नौकरी में तरक्की के अवसर प्राप्त होगे।

राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर बनी सहमति

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): रांची/ मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित नए मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किए गए थे।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी विधि विभाग नीरज कुमार, प्रोवेशन पदाधिकारी चंद्रमौली, एआईजी तुषार रंजन गुप्ता, जेलर मो० नसीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में हेमन्त सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई हेतु अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं अधिकारियों के बीच रिहाई हेतु प्रस्तावित सभी मामलों पर विचारोपरान्त कुल 37 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन जरूर करें। मुख्यमंत्री ने कारा महानिरीक्षक झारखंड को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड अवश्य रखें। जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सभी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहा हुए कैदियों का जीवन यापन सुचारू रूप से चले इस निमित्त उनके लिए आय सृजन की व्यवस्था करें। रिहा हुए कैदियों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

हर वक़्त मदद के लिए तैयार है डायल 112, धनबाद पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): किसी भी प्रकार की मुसीबत होने पर जब भी कोई व्यक्ति डायल 112 पर फोन करता है या ऐप के माध्यम से अपनी समस्याओं को भेजता है तो धनबाद पुलिस की कंट्रोलिंग टीम के द्वारा तत्काल इस पर एक्शन लिया जाता है। विशेष परिस्थिति में मदद के लिए डायल 112 के इस्तेमाल को लेकर आज सीसीआर डीएसपी श्री सुमित कुमार महोदय ने नेतृत्व में एक जागरूकता रैली निकली गई जो रणधीर वर्मा चौक से होते हुए एसएसएलएनटी कॉलेज तक गई और छात्राओं के साथ आम नागरिकों को डायल 112 के बारे में बताया गया।

डायल 112 पर कॉल आने पर धनबाद पुलिस की टीम पूरी सूचना लेने के बाद तत्काल संबंधित थानों को या फिर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देती है. इसके बाद सूचना देने वाले व्यक्ति को तत्काल सहायता पहुंचाई जाती है। वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार जिला स्तर और थाना स्तर पर भी इसके लिए एक टीम विशेष रूप से कार्यरत है, जो 24 घंटे सक्रिय रहती है। इसके अलावा मॉनिटरिंग टीम के द्वारा सूचना मिलने से लेकर सहायता पहुंचने तक की पूरी मॉनिटरिंग की जाती है।

इस संबंध में जागरूकता अभियान क तहत जानकारी देते हुए डीएसपी सुमित कुमार महोदय ने बताया कि डायल 112 पूरे देश में कार्यरत है, जो लोग स्मार्टफोन या आईफोन का उपयोग करते हैं, वह अनिवार्य रूप से अपने फोन में डायल 112 इंडिया ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं, डायल 112 हर आपातकालीन स्थिति में काफी सहायक है।

डीएसपी महोदय ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से पुलिस विभाग से संबंधित सहायता तो प्राप्त किया जा सकता है, साथ ही साथ आपातकालीन मेडिकल, अग्निशमन अन्य आपातकालीन स्थिति में भी इसके माध्यम से अन्य सहायता प्राप्त की जा सकती है।

डायल 112 से आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करना काफी आसान है. जैसे ही आप 112 पर मदद के लिए सम्पर्क करते हैं वैसे ही विभाग को आवेदक के समस्या के साथ उनके लोकेशन की भी जानकारी पुलिस को प्राप्त हो जाती है और फिर विभाग मदद के लिए तत्काल सक्रिय हो जाता है। जागरूकता अभियान के तहत लोगों को डायल 112 के बारे में विस्तार से बताते हुए आपात स्थिति में मदद के लिए इसके सही इस्तेमाल की जानकारी दी गई।

सीएफएम संक्षिप्त

दुर्ग्याणा एक्सप्रेस के परिचालन का किया गया पुनर्बहाल

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): पूर्व अधिसूचित के अनुसार दिनांक 22.02.25 को कोलकाता से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 12357 कोलकाता-अमृतसर एक्सप्रेस का परिचालन निरस्त कर दिया गया था, जिसे दिनांक 22.02.25 को पुनर्बहाल कर दिया गया है। पूर्व अधिसूचित के अनुसार दिनांक 24.02.25 को अमृतसर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 12358 अमृतसर –कोलकाता दुर्ग्याणा एक्सप्रेस का परिचालन निरस्त कर दिया गया था, जिसे दिनांक 24.02.25 को पुनर्बहाल कर दिया गया है।

शुरू हुआ शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत के अली मोहल्ला की और पाइप लाइन का कार्य

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): चिरकुंडा, राजपुरा खदान से शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत के अली मोहल्ला की और पाइपलाइन विस्तारीकरण कार्य प्रारंभ 400 लोगों को मिलेगा इसका लाभ। राजपुरा खदान से शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत के अली मोहल्ला की और पाइप लाइन विस्तारित करण कार्य का प्रारंभ सोमवार की सुबह पूर्व मुखिया मोहम्मद सनोवर की देख रेख में शुरू हुआ। कार्य रहमत नगर से खुदाई का कार्य जेसीबी के माध्यम से किया गया, मौके पर पूर्व मुखिया मोहम्मद सनोवर ने बताया कि राजपुरा कोलियरी के सौजन्य से 220 फीट पाइप लाइन का विस्तारीकरण किया जा रहा है। इससे लगभग 400 लोगों को सीधा लाभ मिलेगा, वहीं ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि अली मोहल्ला में पानी की काफी किल्त है खदान का पानी आ जाने से हम लोगों को नहाने धोने में काफी मददगार होगा। इसके लिए पूर्व मुखिया मोहम्मद सनोवर को धन्यवाद देता हूं।

कोल कर्मी का शव 45 घंटे के बाद अंततः उठाया गया

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): कतरास, सिजुआ एरिया 5 अंतर्गत तेतुलमारी कोलियरी में कार्यरत देव शंकर भुइयां का शव 45 घंटे के बाद अंततः उठाया गया। देव शंकर भुइयां का शव 15 फरवरी को झाड़ियों में पड़ा हुआ था, जिसके बाद परिजन 15 फरवरी को पीएसटी 2 खदान पर शव रखकर नियोजन की मांग कर रहे थे। 17 फरवरी को देव शंकर भुइयां के शव से दुर्गंध आनी शुरू हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर सिजूआ एरिया पहुंच गए। महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद ने ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की और तीन माह में कागजी कार्रवाई पूरी कर के नियोजन देने पर सहमति बनी। साथ ही मृतक के आश्रितों को कंपनी के नियमों के अनुसार सारी सुविधाएं देने पर भी सहमति बनी। इसके बाद 45 घंटे के इंतजार के बाद देव शंकर भुइयां का शव उठाया गया। महाप्रबंधक श्री सुधाकर ने बताया कि देव शंकर भुइयां के मृत्यु प्रमाण पत्र में देरी होने के कारण परिजन मुद्दे से भटक गए थे, जिसके चलते समझौते में देरी हुई।

अवैध कोयला खनन पर सीआईएसएफ ने की सख्त कार्रवाई

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): कतरास, एरिया 5 अंतर्गत सीआईएसएफ ने सख्त कार्रवाई करते हुए मुहाने पर बुलडोजर चलाया। अवैध कारोबारी के नमक फैक्ट्री स्थित ठिकाने पर छापेमारी कर मुहाने की भराई कर दी गई, जिससे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। इस छापेमारी से इलाके में अवैध कोयला कटाई के कारोबार पर रोक लगने की संभावना जताई जा रही है।

29 सूत्रीय मांगों को लेकर यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन की वार्ता

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन (एटक) द्वारा आज कोयला भवन के सभागार में 29 सूत्रीय मांगों को लेकर वार्ता हुई जिसमें नियोजन पदोन्नति अस्पताल से रेफर जमीन से संबंधित नियोजन मुआवजा को लेकर सकारात्मक वार्ता हुई मुख्य रूप से लक्ष्मण महतो तुलसी साव संतोष गोराई एचडी पांडे य बसंत शर्मा सत्येंद्र गुप्ता विपिन राय पालचंद महतो नरेश महतो अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे प्रबंधन की ओर से जीएमआर एसपी राय सुरेंद्र भूषण मोहम्मद इसाक उपस्थित थे।

जिला गव्य विकास कार्यालय द्वारा किया गया दुधारू पशु मेला एवं मुखिया ऑरियेन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार आज दिनांक 17.02.2025 को जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद में सेमिनार / समारोह/कार्यशाला, दुधारू पशु मेला एवं मुखिया ऑरियेन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लोकहित में सघन रूप से प्रचार-प्रसार एवं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से चयनित लाभुकों/ दुग्ध उत्पादन से जुड़े पशुपालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना (दो गाय, पाँच गाय एवं दस गाय) के लाभुकों को माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य विभागीय पदाधिकारियों के द्वारा दुधारू मवेशी का वितरण किया गया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ एवं स्वरोजगार तथा पलायन को रोकने के उद्देश्य से सेमिनार / समारोह / कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न विभाग के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा पशुपालकों के बीच व्याख्यान एवं अपने विचार प्रस्तुत किया गया। साथ ही दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध उत्पादन के लागत मूल्यों को कम करने के विषयवस्तु पर एक्पर्ट के द्वारा पशुपालकों को जानकारी प्रदान की गई है। दुधारू पशुओं में होने वाले प्रमुख बीमारी एवं बीमारी से बचाव तथा पशुओं के समुचित ईलाज के बारे में पशु चिकित्सक के द्वारा जानकारी दिया गया।

इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रखण्डों आये हुए पशुपालक अपने विचार भी प्रकट किये। कार्यक्रम में उपस्थित माननीय विधायक प्रतिनिधि, प्रमुख, मुखिया, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, धनबाद, इन्चार्ज मिल्क फेडरेशन, सभी प्रखण्डों के पशुपालन पदाधिकारी मौजूद रहे।

16वीं पुण्यतिथि पर दिवंगत एस पी राय को दी गई श्रध्दांजलि

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): विद्या विहार गर्ल्स हाई स्कूल, सुदामडीह में विद्यालय के संस्थापक माइनिंग इंजीनियर स्व• एस• पी• राय, पूर्व मंत्री बिहार सरकार, मजदूर नेता एवं समाज सेवक की 16वीं पुण्यतिथि फूल माला एवं श्रद्धांजली दे कर मनायी गयी। स्व• राय के बड़े पुत्र संदीप कुमार राय सचिव "एस•पी•राय एजुकेशनल एन्ड सोशल डेभलपमेंट सोसाइटी" ने श्रद्धा सुमन आर्पित करते हुए इस अवसर पर स्व• राय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्व• राय का जन्म 24 नवम्बर 1942 को भागलपुर के एक गांव गौरीपुर में हुआ था वे धनबाद से दो बार विधायक एवं सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे तथा एनएफआईटीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। स्व• राय के द्वारा समाज के हित में किए गए कई कार्यो का उल्लेख करते हुए इस विद्यालय की स्थापना के बारे में विस्तार से बताया कि गरीब और कमजोर तबके से आने वाले बच्चों को शिक्षित करने का पुनीत कार्य विद्यालय द्वारा किया जा रहा है जो स्व• राय का सपना था। उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर समाज की भलाई करने और सेवा करने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती शुभ्रा राय ने श्रद्धांजली देते हुए कहा कि स्व• राय ने इस स्कूल की स्थापना किया ताकि समाज का कोई भी तबका अशिक्षित न रह जाए। सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों को स्व• राय साहब के बताए रास्ते पर चलकर उनके सपने को पूरा करने को कहा। इस अवसर पर श्रीमती अटलान्टा, निरुपमा कुमारी, पी गुहा, बबलू ठाकुर, कार्तिक रजवार, कार्तिक महथा, मनीष कुमार, बेबी राय, आशा देवी, पूजा कुमारी, पिंकी कुमारी सहित कई छात्र/ छात्राएं, अभिभावक, तथा अतिथिगण ने पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): निरसा, झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन निरसा विधानसभा क्षेत्र के पत्रकारों ने शनिवार को निरसा और एग्यारकुंड प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन राज्यपाल के नाम संबोधित है, जिसमें पत्रकारों पर हो रहे अत्याचार को रोकने और पत्रकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ही सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गई है। पत्रकारों ने कहा कि आए दिन प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया कर्मियों को दबाने और डराने की कोशिश की जा रही है। कई मामलों में पत्रकारों को धमकी भी दी जाती है। पत्रकार पर झूठे मुकदमे भी किए गये हैं। अपहरण करने की कोशिश भी की जाती है। साथी ही साथ कई मामलों में उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। जिससे उनकी स्वतंत्र पत्रकारिता बाधित हो रही है। ऐसे में झारखंड राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून, छत्तीसगढ़ राज्य की तरह पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के निरसा विधानसभा के अध्यक्ष- संजय कुमार शर्मा के सांथ झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के कर्मठ और जुझारू पत्रकार मौजूद थे जिसमें विजय कुमार शर्मा, राजकुमार कुमार सिंह, विजय कुमार श्रीवास्तव, पप्पू केवट, विजय सिंह। सुबल चंद्र तिवारी, मोहम्मद सलाउद्दीन, और अपना विचार रखने वाले पत्रकार संतोष कुमार साव, प्रदीप राज, चीनू कांजीलाल, मलय गोप, साथ में निरसा विधानसभा के सभी पत्रकारों ने एक स्वर में कहा छत्तीसगढ़ राज्य की तरह झारखंड में भी पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होना ही चाहिए।

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट जेंडर आधारित भेद भाव एवं बाल विवाह के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): महुदा, झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा डासरा के सहयोग से मँझलाडीह गाँव मे महिला मण्डल एवं किशोरी मंडल के साथ जेंडर आधारित भेद भाव एवं बाल विवाह के खिलाफ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में खेल, एवं चित्रांकन के माध्यम से जेंडर आधारित भेद भाव, हिंसा एवं बाल विवाह के कुरीतियों को दर्शाया गया। प्रतिभागियों को सत्ता, जेंडर आधारित भेद भाव, हिंसा एवं बाल विवाह रोक पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के पुजा कुमारी, चंदा कुमारी, पुजा , माला एवं गुलनाज बानो ने प्रशिक्षण दिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सचिव हलीमा एजाज ने कहा कि पितृसत्तात्मक समाज होने के कारण आज भी महिलाये हाशिए पर खड़ी है लेकिन परिवर्तन की लहर चल पड़ी है, महिलाएं आज पुरुषों के साथ समान रूप से कार्य कर रही, सिर्फ सोच में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है, जिसकी शुरुआत अपने अपने घरों से करने की आवश्यकता है। ट्रस्ट के संस्थापक एवं बाल कल्याण समिति बोकारो के अध्यक्ष शंकर रवानी ने कहा कि बाल विवाह को समाप्त करने के लिए दुनिया भर में अभियान चलाया जा रहा है बाल विवाह के नाम पर बच्चियों के साथ शारीरिक एवं मानसिक शोषण किया जाता है,2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए देश भर में सघन कार्य किया जा रहा। बालिकाओं एवं महिलाओं द्वार पूछे गए प्रश्नों का जवाब श्री रवानी ने बारी बारी से दिया। कार्यशाला में मँझलाडीह गांव के 35 किशोरी एवं महिलाओं ने भाग लिया। मौके पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विनोद महतो, जिला समन्वयक नईमुद्दीन अंसारी, मुमताज आलम, दीपा रवानी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पुलिस की पाठशाला में छात्रों को बताया गया साइबर अपराध से निपटने का तरीका

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): साइबर अपराध मौजूदा वक़्त में एक बड़ी चुनौती है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से प्रलोभन देकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैँ। ठगी के अपराध को रोकने के उद्देश्य से सोमवार को धनबाद पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के तहत धनसार थाना अंतर्गत मल्टीटेक आईटीआई जोड़ाफाटक मे पुलिस की पाठशाला के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस की पाठशाला में साइबर डीएसपी संजीव कुमार महोदय व साइबर थाना प्रभारी अक्षय राम एवं धनसार थाना प्रभारी मनोज पाण्डेय ने वहां उपस्थिति छात्र छात्राओं को साइबर अपराध के शिकार होने से बचने का गुर सिखाया।

अभियान के तहत वहां मौजूद छात्र छात्राओं को साइबर अपराध की जानकारी देते हुए इससे बचाव के तरीकों एवं उपायों के प्रति जागरूक किया और उन्हें डिजिटल सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी।

कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपयोगी जानकारियों कों साझा किया गया। जैसे अपनी गोपनीय जानकारी किसी अन्य कों प्रदान ना करना, इंटरनेट मीडिया में अनजान व्यक्तियों का मित्रता अनुरोध स्वीकार ना करने, ओटीपी साझा न करने सहित हनी ट्रैप, साइबर बुलिंग से निपटने के तरीके और 1930 साइबर हेल्पलाइन के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को उनके रोजमर्रा के डिजिटल कामकाज में सुरक्षित रहने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। विशेष रूप से यह बताया गया कि कैसे वे अज्ञात लिंक पर क्लिक नही करने से ठगी जैसी घटनाओ से बच सकते हैं और इंटरनेट मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

साइबर डीएसपी संजीव कुमार महोदय ने सरल और सहज भाषा में वहां उपस्थित छात्र छात्राओं को साइबर सुरक्षा के विषय में जागरूक किया और उनके सवालों का जवाब देते हुए उन्हें विभिन्न साइबर खतरों से सुरक्षित रहने के उपाय भी बताए गए।

उत्पादन को लेकर उत्पादक्ता सप्ताह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): तिसरा, टीम वर्क के साथ काम करने से कोई भी काम मुश्किल नहीं है उक्त बातें बस्ताकोला क्षेत्र के महा प्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा ने के ओ सी पी विभागीय परियोजना 14 नंबर हाजिरी घर के समीप बेहतर उत्पादन करने वाले अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि परियोजना में उत्पादन एवं उत्पादकता सप्ताह के तहत 10 फरवरी से 16 फरवरी तक जिस शिफ्ट में अधिक उत्पादन हुआ है उनको प्रोत्साहन देने का काम किया जा रहा है। इसका मकसद केवल एक ही है कि अधिक से अधिक कोयला उत्पादन हो। सप्ताह में अधिक उत्पादन करने वाले स्विफ्ट इंचार्ज शशि उरांव को सम्मानित किया गया। इन्होंने 122 टिप कोयला एवं 524 टिप ओबी का उत्पादन इनके देखरेख में किया गया। द्वितीय स्थान पर निरंजन पांडे जब की तृतीया स्थान पर संजय पासवान के नेतृत्व में उत्पादन हुआ। महाप्रबंधक ने कहा कि हम लोगों का मकसद केवल मार्च तक अपनी उत्पादन लक्ष्य अधिक उत्पादन करना है कंपनी का नाम रोशन करना है। मौके पर अपर महाप्रबंधक टी पासवान क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक अभिषेक राय सतीश मिश्रा परियोजना पदाधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह प्रबंधक चंद्रशेखर सिंह दीपक कुमार अजय सिंह एन दास सर्वेक्षण पदाधिकारी नरेंद्र कुमार संयुक्त मोर्चा के तुलसी रवानी प्रभास सिंह उमेश कुमार जगदीश साव शिवेंद्र सिंह भारत सिंह हराधन मोदक आदि लोग मौजूद थे।

सेवानिवृत फौजी ने नौ लाख रूपये ठगी मामले में किया प्रेसवार्ता

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): निरसा, देश की रक्षा में तैनात रहे सेवानिवृत वायु सेना का एक फौजी से नौ लाख की ठगी किया गया है. फौजी एग्यारकुण्ड पानी टंकी निवासी कुणाल पालित ने पुलिस पर अनुसंधान में लापरवाही का आरोप लगाया है। इस संबंध में पालित ने झारखण्ड डीजीपी, डीसी, एसएसपी, एंटी करप्शन ब्यूरो सहित अन्य को पत्र लिख आईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आरोप लगाया कि आरोपियों से घूस लेकर उन्हें लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्य आरोपी भोला राम सहित तीन ने आईओ की लापरवाही का लाभ लेकर कोर्ट से जमानत भी ले ली है। मामले में अन्य दो आरोपी राहुल कुमार गिरी व तपन मण्डल को जमानत नहीं मिली है। पुलिस की नजर में दोनों फरार हैं। जबकि दोनों छुट्टा घूम रहे हैं। दोनों को पकड़ने में पुलिस कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही

है। यहां तक कि मामला दर्ज हुए छह माह बीत गये हैं। लेकिन आईओ द्वारा वारंट के लिये कोर्ट में प्रार्थना पत्र भी दाखिल नहीं किया गया है।

श्री पालित ने कहा कि पिछले 11 फरवरी को धनबाद एसएसपी एचपी जनार्दन से भी मिले एवं न्याय की गुहार लगायी। अगले दिन निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला से मिले। दो तीन बार गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी दीपक दास से भी मिले। फरार आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही जमानत पर बाहर घूम रहे मुख्य आरोपी सहित तीनों की जमानत रद्द कराने की फरियाद की गयी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बता दें कि अगस्त माह में रिटायर्ड फौजी पालित ने गलफरबाड़ी ओपी में एफआईआर दर्ज करायी थी। जिसमें मुग़मा के भालुकसूंदा निवासी भोला राम, नीरज सिंह, गूड्डू, राहुल गिरी व तपन मंडल पर नौ लाख ठगी का आरोप लगा है। रिफैक्ट्री व्यवसाय के नाम पर चार लाख नगद और पांच लाख आनलाइन भुगतान करने की बात कही गयी है।

मुखिया संघ ने पंचायतों में कर्मचारियों के पदस्थापन को लेकर की सीओ से मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): चिरकुंडा, एग्यारकुण्ड प्रखण्ड के मुखिया संघ अध्यक्ष काकुली मुखर्जी के नेतृत्व में विभिन्न पंचायतों के मुखिया का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सीओ कृष्ण कुमार मराण्डी से एग्यारकुण्ड अंचल कार्यालय में मिला। हर पंचायत में सप्ताह में दो दिन हल्का कर्मचारी के बैठने की मांग की। कहा कि ग्रामीणों को भूमि संबंधी, जाति आवासीय सहित अन्य जरूरी काम के लिये अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। जिससे उन्हें काफी परेशानी होते है।

अंचल कार्यालय में दलालों के चक्कर में आ जाते हैं। मुखियाओं ने सीओ से दलालों पर अंकुश लगाने की भी मांग की। शनिवार को अमीन का भांजा द्वारा कर्मचारी भवन में करतूत का मामला भी उठा और कार्रवाई की मांग की गयी। सीओ मराण्डी ने कहा कर्मचारियों की घोर कमी है। बावजूद उन्होंने हर पंचायत में सप्ताह में दो दिन कर्मचारी के बैठने का भरोसा दिया। इस पहल से गांव के लोगों को प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, सभी मुखिया इस बातों पर सहमत हुए और सीओ को धन्यवाद दिए।

सेन्द्रा में औरतों का इज्तिमा आयोजित

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): लोयाबाद के मकतबे बाग़-ए-आयशा, मदनाडीह-सेन्द्रा में औरतों के लिए साप्ताहिक ज़नाना इज्तिमा का आयोजन हुआ। इस इज्तिमा में लोयाबाद के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और बच्चियों ने शिरकत करके दीनी मसाइल और शरई अहकाम को सीखा। इस इज्तिमा की शुरुआत कलामे पाक की तिलावत से हुई। तस्मिया महज़बीन, नायरा परवीन और फ़रहा परवीन ने नात शरीफ के कलाम खूबसूरत अंदाज में पेश किए।

इस इज्तिमा में आलिमा क़ारिया कनीज़ फ़ातिमा ने क़राअत की बारीकियों को समझाया और बताया कि क़ुरान पाक को मखरज की अदायगी के साथ पढ़ना ज़रूरी है। साथ ही, उन्होंने नमाज़ की फजीलत और उसके मसले को बयां किया। आलिमा ज़ीनत क़ादरी ने अपने ख़िताब में तहारत पर रौशनी डाली। उन्होंने कहा कि पाकी ईमान का हिस्सा है। साफ़-सफ़ाई इबादत की कुंजी है। जब तक हम ग़ुस्ल के मसले को नहीं समझेंगे, तब तक हमारी न वुज़ू दुरुस्त होगी और न कोई नमाज़ क़ाबिले क़ुबूल होगी।

आयोजनकर्ता ग़ुलाम ग़ौस आसवी ने बताया कि यह दीनी और शरई इज्तिमा रमज़ान में भी जारी रहेगा, जिससे हमारी मां-बहनें रमज़ान के रोज़े के मसाइल और उसकी फ़ज़ीलत से आगाह हो सकेंगी। सायरा बानो, हाजरा ख़ातून, अफ़साना बानो, खुर्शीदा जमाल रोज़ी, मुस्कान परवीन, साजदा ख़ातून, सना परवीन, आदि मौजूद थीं।

स्त्रियों के प्रति रुढ़िवादी मानसिकता देश के हित में नहीं

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: बालिकाओं और स्त्रियों को केवल दया का पात्र समझकर उन्हें घर की चारदीवारी में ना रखें। अब समय आ गया है कि बालिकाओं को प्रारंभ से और स्त्रियों को उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन देकर परिवार समाज और राष्ट्रीय सहभागिता की मुख्यधारा में उत्तरोत्तर सहभागी बनाना चाहिए। आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है। नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित-प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

भारत की नारियों को नमन, प्रणाम एवं अभिनंदन।

संजीव ठाकुर
चिंतक, लेखक, स्तम्भ कार
रायपुर, छत्तीसगढ़

आपस में सहयोगी

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: तुम कुछ भी कहो, हमारे नेता और मच्छर अच्छे दोस्त हैं।

अब तक जौंक, व्हेल, गिद्धों के साथ नेताओं की तुलना मैंने सुनी है। कुटिल नीति में, धोखा देने में माहिर लोमड़ी के साथ भी उनकी समानता देखी है। लूटने में भी लुटेरों और चोरों से तुलना कर चौर्य कला का अपमान करते भी मैंने देखा है। पर आज जनसेवा के पिपासु नेताओं को नए सिरे से मच्छर के साथ मित्रता चिपका रहे हो। अचानक मच्छरों का शोर कैसा?

आज विश्व मच्छर दिवस है। बरसात के शुरू होते ही सारे राज्य जलमय हो रहे हैं, साथ ही विष ज्वर से भरे भी। नेताओं का मच्छरों से प्यार ही कारण है कि मच्छर अपनी रक्त पिपासा को इतने ठाट के साथ बुझा रहे हैं।

सही कहा। एक ओर कहते हैं गलियों, कूचों में दवाई का छिड़काव और मच्छरों मच्छर निरोधी धुआं करवा रहे हैं। हर गटर, नाले में रसायन छिड़कवा रहे हैं। ऐसे में कहां से इतने सारे मच्छर आ गए जो मलेरिया डेंगू चिकनगुनिया से लोगों को खाट पकड़ने पर मजबूर कर रहे हैं? साथ ही सैकड़ों की संख्या में जानें जा रही हैं। मच्छरों पर नेताओं का प्रेम ही कारण है की मच्छरों का खात्मा करने जो राशि दी गई है उसे डकार कर मच्छरों से दोस्ती निभा रहे हैं।

ठीक कहा। पहले केवल रात के समय ही मच्छरों का हमला, शोर, डंक की चुभन हुआ करते और अब सारा दिन, सारी रात बस जहां चाहे वहां मच्छर हमला कर रहे हैं और खून चूसे जा रहे हैं।

जीएसटी के कोड़े एक ओर तो दूसरी ओर महंगाई की मार से जीवन में शांति का अभाव है। करेले पर नीम चढ़ा की तरह अब मच्छरों की वजह से पता नहीं कब कौन सी बीमारी के शिकार होंगे, इसी डर से मरे जा रहे हैं। उस पर मच्छर भगाने का अलग खर्च।

आंकड़े बता रहे हैं कि मच्छरों से बचने के लिए हर परिवार हर माह ₹ दो सौ के लगभग खर्च कर रहा है। इस तरह हमारे नेता कष्ट काल में भी जनता से पैसे खर्च करवा रहे हैं। इसके कारण देश की अर्थव्यवस्था में कितना धन बहा जा रहा है।

कुछ भी मत कहा करो यार! बात दो सौ की होती तो कोई गल नहीं। अगर कहीं डेंगू हो गया तो निजी अस्पताल में इलाज के पीछे लाखों रुपए खर्च करने होंगे। चिकनगुनिया, मलेरिया हो गया तो जांच और गोलियों के लिए हजारों रुपए खर्चने होंगे। इस हिसाब से हमारे अस्पतालों, लैबों, फार्मा कंपनियों को नेताओं की वजह से कितना फायदा होता होगा, सोचो।

उनकी उदारता है। एक और बात बताओ मच्छर जब अपने अंकुश जैसे नाक चुभाते हैं तो दर्द नहीं होता। खून चूसते वक्त भी कुछ पता नहीं चलता। हमारे नेता भी ऐसे ही हैं न। जब लूटते हैं तब पता नहीं चलता। बाद में आते हैं आंकड़े कि कितना भ्रष्टाचार हुआ। फिर हो हल्ला शुरू।

सच कहा। विचित्र बात है कि हम घर में इकट्ठा पानी को नजरअंदाज कर देते हैं, तो उसी पानी में पैदा होकर पलकर मच्छर हमें नाकों चने चबवा देते हैं। नेता भी ऐसे ही हैं न। हम स्वयं वोट देकर उन्हें देश के भक्षण के लिए लाइसेंस जो देते हैं।

गंदे पानी की बात छोड़ो। आज नहीं तो कल उसे बाहर फेंक देंगे और सफाई कर लेंगे। सड़क पर गड्ढे में जो पानी है उसका क्या? घर के सामने गटर से निकलकर बहती नदी का क्या करोगे? उसमें पलते मच्छरों की जनसंख्या पर कैसे नियंत्रण पाओगे?

कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा है, यही हमारी पीड़ा है। एडीस, ईजी फ्लाई, क्यूलेक्स सुनने में मच्छरों के नाम लगते हैं। कानों में शोर मचा कर काटकर चुभकर नरक के दर्शन कराते हैं। देश में हर साल अगर छह लाख से ज्यादा डेंगू और मलेरिया के मामले दर्ज हो रहे हैं तो उनका विस्तार विकास कितना दृढ़ है सोचो।

कहीं सवा सौ वर्ष पहले रोनाल्ड रॉस महानुभाव ने मच्छरों में मलेरिया परजीवी की खोज की थी। इतनी दशाब्दियों में वैज्ञानिक शोध के अधिक प्रगति और आधुनिक प्रौद्योगिकी के बावजूद भी अगर आज वह रोग जन स्वास्थ्य को रोगी बना रहा है तो निश्चय ही हमारे नेताओं का हाथ है इसमें।

शत प्रतिशत सही। केवल दो माह की जीवन अवधि वाले मशक याने मच्छर इतने अधिक आक्रमक हो रहे हैं तो इसमें हमारे नेताओं की महानता के अलावा क्या है। उनको श्रेय तो जाता ही जाता है। मुझसे पूछो तो मैं बता दूं मच्छरों के हर समूह को चाहिए इतनी अधिक मदद करते नेताओं का वे हर क्षण गुनगुन रागालाप करते हुए स्तुतिगान करें। तब जाकर उनका थोड़ा बहुत चुकता हो पाएगा। क्या कहते हो?

डॉ टी महादेव राव
विशाखपटनम (आंध्र प्रदेश)

रणनीति के अर्जुन, कूटनीति के कृष्ण: भाजपा की महाविजय

सत्ता का सागर मंथन: भाजपा को अमृत, 'आप' और कांग्रेस को विष!

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: दिल्ली की राजनीतिक रणभूमि में इस बार सत्ता का महामुकुट भाजपा ने अपने नाम किया। जैसे कोई महारथी अपनी शक्ति और रणनीति के बल पर विजय का झंडा फहराता है, वैसे ही भाजपा ने अपने कुशल नेतृत्व और अदम्य संकल्प के साथ दिल्ली की सत्ता का अधिकार हासिल किया। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वर्ग के देवताओं ने ही कमल पर अमृत छिड़क दिया हो और यह चिरकाल तक खिलने की शपथ लेकर खड़ा हो गया हो। हर गली-मोहल्ले में उनके विजय-रथ के पहियों की गूंज वैसे ही सुनाई दे रही है, जैसे कोई महावीर अपने नगर की सड़कों पर विजयी सवारी कर रहा हो। इस विजय के माध्यम से भाजपा ने साबित कर दिया कि राजनीति मात्र नीतियों और कार्यक्रमों की बिसात नहीं, बल्कि चाणक्य की कूटनीति, युद्ध कौशल और अवसरवाद का अद्भुत नाटक है।

समर्थकों में ऐसा हर्ष और उमंग छाया है, मानो द्वारका की स्वर्णिम छटा दिल्ली में उतर आई हो। हर चौराहा विजयोत्सव के उल्लास से भरा है, जैसे हनुमान जी संजीवनी लेकर आए हों और सभी भक्त नृत्य में मग्न हो गए हों। भाजपा के रणनीतिकारों ने इस चुनाव को महाभारत की तरह लड़ा, कुछ पांडवों को साथी बनाया, कुछ कौरवों को शिखंडी के समान उपयोग किया और अंततः सत्ता का अश्वमेध घोड़ा निर्विघ्न दौड़ता रहा।

"आप" का सियासी सूर्यास्त: आशा से अस्वीकार तक

कभी जो "आप" नैतिकता और ईमानदारी के झंडे तले जनता को लुभाने निकली थी, उसकी कश्ती इस बार सत्ता के भंवर में ऐसी उलटी कि बचाव के लिए कोई तिनका तक उपलब्ध नहीं रहा। बड़े-बड़े वादों की महलनुमा इमारतें ध्वस्त हो गईं, जैसे लंका दहन के बाद राख के ढेर में बदल गई हो। आम आदमी पार्टी का वह तेजस्वी सूर्य, जिसे उन्होंने कभी राजनीति के नए युग का उदय बताया था, इस बार ऐसे अस्त हुआ कि गोधूलि तक में उसका नामोनिशान नहीं मिला।

जो जनता कभी उनके "स्वराज" के सपनों में खोकर उन्हें सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया था, वही जनता अब उन्हें उसी रफ्तार से सिंहासन से उतार रही है। आज उनकी स्थिति ऐसी हो गई है, जैसे किसी व्यंग्यपूर्ण नाटक में वह नायक, जो आरंभ में मुख्य पात्र होता है, लेकिन अंत तक विदूषक से भी ज्यादा हास्यास्पद नजर आने लगता है। उनके राजनीतिक अस्तित्व का हाल वैसा हो गया है, जैसे पुराना अखबार जिसे रद्दी वाला तराजू पर तौलते हुए फेंक देता है—न पढ़ने के काबिल, न संभालने के लायक।

कांग्रेस: अतीत का महल, वर्तमान का खंडहर

अब जरा कांग्रेस की भी बात कर ली जाए, जो कभी राजनीति की शतरंज की सबसे पुरानी और महारथी खिलाड़ी थी। कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है, जैसे कोई बूढ़ा योद्धा, जो तलवार उठाने के बजाय अब इतिहास सुनाने में ही मग्न रहता है। उनके पास न रणकौशल बचा, न सेनानी, और न ही कोई विजय की भूख। उनकी दशा किसी ऐसे यात्री जैसी है, जो गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही अपना रास्ता भूल चुका हो और अब हाथ में नक्शा लिए सिर्फ दिशाओं को ताक रहा हो।

दिल्ली में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति देखकर यह कहना अनुचित न होगा कि उनकी राजनीति की घड़ी अब ठहर चुकी है—न उसमें टिक-टिक की आवाज़ है, न आगे बढ़ने का उत्साह। वे राजनीति के उस पुरातन खंडहर की भांति हैं, जिसे कभी गौरवशाली महल कहा जाता था, लेकिन अब केवल स्मृतियों और इतिहास की पुस्तकों में ही उसका अस्तित्व बचा है।

जनता का दरबार: जो पसंद आया, वही सरकार!

दिल्ली की राजनीति का यही तो सबसे बड़ा आकर्षण है—यहां की जनता हर चुनाव में एक नए देवता का अभिषेक करती है और पुराने को इतिहास बना देती है। भाजपा का सिंहासनारूढ़ होना, "आप" की निराशाजनक पराजय और कांग्रेस की अनिश्चितता यह दर्शाती है कि सत्ता केवल कुर्सी की लड़ाई नहीं, बल्कि एक ऐसा जादू है, जो किसी को चंद्रमा की तरह चमका सकता है, तो किसी को पतंग की तरह काटकर गिरा भी सकता है।

दिल्ली की राजनीति का चरित्र भी कुछ ऐसा ही है—यहां जीत स्थायी नहीं होती और हार अंतिम नहीं होती। यहां हर दल अपने आपको अजर-अमर समझता है, लेकिन जनता की उंगलियां जब ईवीएम पर नाचती हैं, तो सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तय हो जाता है। दिल्ली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां केवल वही राज करेगा, जो समय के साथ चलेगा—वरना यह जनता सत्ता को आसमान तक पहुंचाने में जितनी तेज है, उसे जमीन पर गिराने में उससे भी अधिक निपुण है!

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

क्या मणिपुर में मुख्यमंत्री के त्यागपत्र के बाद हिंसा थम जाएगी?

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। मणिपुर मुख्यमंत्री का इस्तीफा विधानसभा सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हुआ है। इसने कई अटकलों को भी जन्म दिया है। दरअसल, चर्चा थी कि विपक्ष मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में था। ऐसे में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर इस्तीफे को लेकर काफी दबाव था और विपक्ष लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रहा था। अब जब मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया है, ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि इस्तीफा देने के बाद क्या राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? जब तक नया मुख्यमंत्री नहीं बन जाता, वहां की सरकार कौन चलाता है? इसको लेकर नियम क्या है? आगे बढ़ने के सबसे पहले इसे जानना जरुरी है।

भारतीय संविधान में किसी भी राज्य में सरकार चलाने को लेकर कुछ नियम बनाए गए हैं। अगर किसी राज्य का मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देता है तो राज्य का पूरा दायित्व राज्यपाल के पास आ जाता है। ऐसे में राज्यपाल नए मुख्यमंत्री के चुनाव तक मौजूदा मुख्यमंत्री को एक्टिंग मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, एक्टिंग मुख्यमंत्री की शक्तियां सीमित होती हैं। विधानसभा में राजनीतिक संकट या फिर विशेष परिस्थितियों में राज्यपाल राष्ट्रपति शासन की सिफारिश भी कर सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति इस पर विचार करते हैं और फैसला लेते हैं। फिलहाल मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, ऐसे में राजनीतिक संकट की स्थिति नहीं है।

ज्ञात हो कि मैतेई-कुकी समुदायों के बीच करीब दो साल के लंबे संघर्ष के दौरान विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था। हालांकि बीरेन सिंह राज्य में शांति बहाल करने की बात करते रहे, लेकिन दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद उन्होंने राज्यपाल को इस्तीफे सौंप दिया। सिंह 2017 से लगातार मणिपुर के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उनका इस्तीफा राज्य की अखंडता की रक्षा के लिए उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सूत्रों के हवाला से बताया कि मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद भाजपा के ही 12 विधायक मुख्यमंत्री के इस्तीफे पर जोर दे रहे थे। इसके अलावा कॉनराड संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भी भाजपा से समर्थन वापस ले लिया था। ऐसी संभावना थी कि फ्लोर टेस्ट में पार्टी व्हिप का उल्लंघन होगा। इस संभावना को टालने के लिए मुख्यमंत्री सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व से बात कर पद छोड़ दिया।

एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साध रहे है। राहुल गांधी ने कहा कि सार्वजनिक दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को इस्तीफे के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि करीब दो साल तक भाजपा के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने मणिपुर में विभाजन भड़काया और पीएम मोदी ने उन्हें मणिपुर में हिंसा, जानमाल के नुकसान और भारत के विचार के विनाश के बावजूद बने इस पद पर बना रहने दिया।

इसके आलावा कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस 10 फरवरी को मणिपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पूरी तरह तैयार थी। मुख्यमंत्री को ये लग गया था कि माहौल बन रहा है और बहुमत उनके पास नहीं हैं। उन्हें लग गया था कि अविश्वास प्रस्ताव पारित होगा और उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा, इसलिए उन्होंने आज ही इस्तीफा दे दिया। जयराम ने कहा कि एन बीरेन सिंह तो एक कठपुतली थे। गृह मंत्री अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं समझते, इस्तीफा तो उन्हें देना चाहिए। प्रधानमंत्री 20 महीने से मणिपुर क्यों नहीं गए हैं?

गौरतलब है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई, 2023 से ही संघर्ष चल रहा है।झगड़ा आख़िर क्या है, यहाँ यह भी समझना ज़रूरी है। दरअसल, मणिपुर में तीन प्रमुख समुदाय हैं। मैतेई, नगा और कुकी। नगा और कुकी जनजाति के तहत आते हैं और ईसाई धर्म को मानते हैं। मैतेई वैष्णव हिंदू हैं। आबादी के हिसाब से मैतेई की जनसंख्या पचास प्रतिशत है, लेकिन वे राज्य के केवल दस प्रतिशत हिस्से में रहते हैं। नगा और कुकी की आबादी का प्रतिशत 34 है लेकिन वे राज्य की नब्बे प्रतिशत भूमि पर रहते हैं। मैतेई का कहना है कि हमारे राजा ने कभी इन कुकी को म्यांमार से लड़ने के लिए भाड़े पर बुलाया था, लेकिन ये यहाँ क़ब्ज़ा जमाकर बैठ गए। कुकी का कहना है, यहाँ की ज़मीन, यहाँ के पहाड़ हमारे देवता हैं। हम इन्हें छोड़ नहीं सकते। कुकी का मानना है कि मैतेई पैसे वाले हैं। संपन्न हैं। अगर इन्हें आदिवासी घोषित कर दिया तो ये हमारी ज़मीन ख़रीद-ख़रीदकर हमें ही बेघर कर देंगे। इसके उलट कुकी का कहना है कि हम 1949 में मणिपुर के भारत में शामिल होने के वक्त आदिवासी ही थे। कहा जाता है कि यहाँ के मैतेई राजा वैष्णव हो गए थे और बाद में उन्हीं ने अपनी प्रजा को भी वैष्णव बनाया था।

ज्ञात हो कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों की संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। हिंसा के दौरान आगजनी, बर्बरता, दंगा, हत्या और सामूहिक बलात्कार की घटनाएं भी देखी गईं।

बताया जाता है कि इस सप्ताह की शुरुआत में, एक नया विवाद तब खड़ा हो गया था जब सुप्रीम कोर्ट ने जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका का आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रामाणिकता को लेकर एक सीलबंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी थी। इस्तीफा देने से पहले बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। एन। बीरेन सिंह को राज्य में जातीय संघर्ष से निपटने के तरीके को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। लगातार हो रही आलोचनाओं के बीच बीरेन सिंह का इस्तीफा आया है। कांग्रेस विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा कर रही है। जानकारी के मुताबिक बीरेन सिंह कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव से बचना चाहते थे, क्योंकि उन्हें अपनी पार्टी के विधायकों के समर्थन का भरोसा नहीं था। इसलिए उन्होंने इस्तीफा देना बेहतर समझा।

हालांकि, पिछले दिसंबर में ए के भल्ला की राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के बाद से ही उनका इस्तीफा तय लग रहा था। उनका इस्तीफा मणिपुर में सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले नए सिरे से राजनीतिक उथल-पुथल के बीच आया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक मणिपुर के कई भाजपा विधायक, जो बीरेन सिंह के नेतृत्व और मणिपुर संकट के पार्टी नेतृत्व से नाराज थे, इसलिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। मणिपुर भाजपा के एक दूसरे नेता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, "अगर मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो सोमवार को पार्टी के लिए यह शर्मनाक होता। मणिपुर के कांग्रेस नेताओं ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे अविश्वास प्रस्ताव की मांग करेंगे। करीब पांच से 10 भाजपा विधायकों ने विपक्ष में बैठने और उनका समर्थन न करने की बात कही है। इन विधायकों में मंत्री भी शामिल हैं। असल में मुख्यमंत्री को यह बात पता थी और केंद्रीय नेतृत्व को इस बारे में नियमित रूप से बताया जा रहा था, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दे दिया।"

बीरेन सिंह का इस्तीफा भले ही स्वीकार कर लिया गया हो। लेकिन वो वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वह पद पर बने रहें रहेंगे। बीरेन सिंह के इस्तीफ के बाद अब इस बात की चर्चा तेज होने लगी है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा नया मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी या नहीं। BJP के शीर्ष नेता संबित पात्रा मणिपुर में डेरा डाले हुए हैं। जिसकी वजह से कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री पद के लिए बीरेन सिंह के मुखर आलोचक पूर्व स्पीकर वाई खेमचंद का नाम भी चर्चा में है, इसके अलावा युमनाम खेमचंद सिंह और टी विश्वजीत सिंह के नाम का भी जिक्र चल रहा है, लेकिन इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ हे।

अब जब मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि इस्तीफा देने के बाद क्या राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? जब तक नया मुख्यमंत्री नहीं बन जाता, वहां की सरकार कौन चलाता है? इसको लेकर नियम क्या है? भारतीय संविधान में किसी राज्य में सरकार चलाने को लेकर कुछ नियम बनाए गए हैं। अगर किसी राज्य का मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देता है तो राज्य का पूरा दायित्व राज्यपाल के पास आ जाता है। वहीं इस हालात में राज्यपाल नए मुख्यमंत्री के चुनाव तक मौजूदा मुख्यमंत्री को एक्टिंग मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का आदेश दे सकते हैं। हालांकि, इस दौरान एक्टिंग मुख्यमंत्री की शक्तियां सीमित होती हैं। विधानसभा में राजनीतिक संकट या फिर विशेष परिस्थितियों में राज्यपाल राष्ट्रपति शासन की भी सिफारिश भी कर सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति इस पर विचार करते हैं और अपना फैसला लेते हैं। फिलहाल मणिपुर में भाजपा के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, ऐसे में राजनीतिक संकट की स्थिति नहीं है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा नया मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी या नहीं। भाजपा के शीर्ष नेता संबित पात्रा मणिपुर में डेरा डाले हुए हैं। दूसरी ओर भाजपा सूत्रों ने उम्मीद जताई कि सिंह के इस्तीफे से राज्य के दो मुख्य जातीय समुदायों के बीच शांति स्थापित करने के लिए केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री कोई भी हो यह यक्ष प्रश्न हमेशा से बना रहेगा कि आखिर मणिपुर में शांति बहाल कैसे होगी? क्या मुख्यमंत्री बदलना ही पर्याप्त होगा?

अशोक भाटिया

हमेशा जीवन बोलना चाहिए, मार्क्स नहीं

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: परीक्षा पर चर्चा 2025 सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है, जो परीक्षा के तनाव को कम करती है। छात्रों में आत्म-सुधार और जिज्ञासा को बढ़ावा देती है। शैक्षणिक कठिनाइयों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास और दृढ़ता को प्रोत्साहित करती है। तनावपूर्ण स्कूली परिस्थितियों में बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए व्यावहारिक पेरेंटिंग तकनीक प्रदान करती है। शिक्षकों को अत्याधुनिक, रचनात्मक शिक्षण रणनीतियों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। अपने शेड्यूल को प्राथमिकता देने से छात्रों को चुनौतीपूर्ण विषयों के लिए अधिक समान रूप से तैयार होने में मदद मिलेगी। मार्गदर्शन प्रदान करने के अलावा, शिक्षकों को प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत प्रतिभा को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए। सीखना और आलोचनात्मक सोच शिक्षा का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए, न कि केवल ग्रेड प्राप्त करना। रचनात्मकता और सरलता को प्रोत्साहित करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को स्कूल के बाहर रुचियों का पीछा करने देना चाहिए। छात्रों को अपनी पढ़ाई पर उसी तरह ध्यान केंद्रित करना चाहिए जैसे एक बल्लेबाज भीड़ के शोर को अनदेखा करते हुए गेंद पर ध्यान केंद्रित करता है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद सभी छात्रों के सामान्य स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

"परीक्षा पर चर्चा" 2018 से एक वार्षिक कार्यक्रम रहा है। इस कार्यक्रम में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश के अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करते हैं। वे प्रवेश और बोर्ड परीक्षाओं को सहज और आसान तरीके से कैसे हल किया जाए, इस पर सलाह देते हैं। इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों को एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना जाता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलने के अलावा, प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रधानमंत्री से आमने-सामने बात करने का भी अवसर मिलता है। परीक्षा पर चर्चा का उद्घाटन संस्करण 16 फरवरी, 2018 को हुआ था। 29 जनवरी, 2024 को होने वाले 7वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "पर्याप्त नींद लें और रील देखने में समय बर्बाद न करें।" 2025 में आयोजित होने वाले आठवें पीपीसी में इस साल परीक्षा से सम्बंधित तनाव को कम करने पर विशेष ज़ोर दिया गया था। परीक्षा पर चर्चा 2025 कार्यक्रम में सद्गुरु (आध्यात्मिक नेता), दीपिका पादुकोण (अभिनेता), विक्रांत मैसी (अभिनेता), मैरी कॉम (ओलंपिक चैंपियन, बॉक्सर) और अवनी लेखरा (पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता) जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति शामिल हुए। इन प्रतिष्ठित अतिथियों ने तनाव प्रबंधन, उद्देश्यों को पूरा करने और प्रेरणा बनाए रखने पर अपने अनुभव और व्यावहारिक विचार साझा किए।

10 फरवरी, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पर चर्चा 2025 के आठवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। यह वार्षिक आयोजन छात्रों को परीक्षा की चिंता, करियर प्लानिंग और व्यक्तिगत विकास जैसे मुद्दों पर बात करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष के आयोजन के लिए 330 करोड़ से अधिक छात्रों, 2071 लाख शिक्षकों और 551 लाख अभिभावकों ने पंजीकरण कराया है, जो देश के युवाओं पर इस पहल के निरंतर प्रभाव को दर्शाता है। पीएम मोदी के अनुसार, कक्षा 10 और 12 में 40-50% छात्र असफल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह उनका अंतिम उद्देश्य है। शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता और असफलता के बीच अंतर को पहचानना महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो दिन के अंत में अपनी गलतियों पर विचार करते हैं और उनमें सुधार करते हैं; छात्रों को भी ऐसा ही करना चाहिए। उनके अनुसार, आपका जीवन वही है जो आपके अंक बताते हैं, न कि आप। पीएम ने छात्रों को दबाव को नज़रअंदाज़ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज की तरह जो स्टेडियम के शोर और नारों को नजरअंदाज कर गेंद पर ध्यान केंद्रित करता है, छात्रों को भी तनाव के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन बच्चों का क्या होता है जो 30 से 40 प्रतिशत की दर से स्कूल में फेल हो जाते हैं? देखिए, असफलता जीवन के अंत का संकेत नहीं है। आप जीवन में सफल होना चाहते हैं या किताबों के माध्यम से, यह आप पर निर्भर करता है। अपनी सभी असफलताओं को शिक्षण के अवसर में बदलना जीवन में सफलता प्राप्त करने की एक रणनीति है। अपनी गलतियों को अपने शिक्षण के क्षण बनाएँ। जीवन केवल परीक्षा नहीं है। इसे समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। हमें कुछ खासियतें देने के अलावा, भगवान ने हमारी कुछ खामियाँ भी रखी हैं। खूबियों पर ध्यान दें। आपसे यह नहीं पूछा जाएगा कि आपको 10वीं और 12वीं कक्षा में कितने ग्रेड मिले। यह जीवन होना चाहिए, न कि अंक। रटने की शिक्षा के विपरीत, प्रधान मंत्री मोदी ने समग्र शिक्षा और रचनात्मक शिक्षा के महत्त्व पर ज़ोर दिया। छात्रों से सॉफ्ट स्किल सीखने और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया गया। प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि परीक्षाओं को सीखने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि बोझ के रूप में। उन्होंने सलाह दी कि छात्रों को ग्रेड से ज़्यादा ज्ञान को प्राथमिकता देनी चाहिए। अच्छा व्यवहार, अनुशासन और अभ्यास-अधिकारों के लिए शोर मचाना नहीं-नेतृत्व की पहचान हैं। सफल शिक्षा के लिए स्वस्थ भोजन और पर्याप्त नींद के महत्त्व पर बल दिया। छात्रों से मानसिक स्वास्थ्य के लिए बाहर समय बिताने और शारीरिक गतिविधि के स्तर को बढ़ाने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे परीक्षाओं से डरने के बजाय इसे एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने दावा किया कि परिवार और सामाजिक वातावरण कभी-कभी छात्रों पर दबाव डाल सकते हैं, जो अवांछनीय है। परिवार के सदस्यों या रिश्तेदारों का यह दबाव कि बोर्ड परीक्षाएँ बहुत ज़रूरी हैं, छात्रों को अत्यधिक चिंतित और तनावग्रस्त बना देता है। आपका जीवन एक परीक्षा के साथ समाप्त नहीं होता है। यह सिर्फ़ एक मील का पत्थर है जिसे आपको हासिल करना है। अगर आप बाहरी दबाव को नज़रअंदाज़ करेंगे तो आप ज़्यादा आत्मविश्वास महसूस करेंगे। पीएम मोदी के अनुसार, माता-पिता को अपने बच्चों की बोर्ड परीक्षा की तैयारी में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और उनकी ताकत और कमज़ोरियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि माता -पिता अपने व्यस्त शेड्यूल के कारण अपने बच्चों की परीक्षा की तैयारी में भाग नहीं ले पाते हैं। परीक्षा देते समय, पीएम मोदी ने छात्रों को चुनौतीपूर्ण प्रश्नों को समझने से शुरुआत करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आपको हर विषय पर समान ध्यान देना चाहिए।" यह सुझाव दिया गया है कि छात्र सरल विषयों या प्रश्नों से शुरुआत करें। हालाँकि, मेरी सलाह है कि चुनौतीपूर्ण प्रश्नों से शुरुआत करें क्योंकि इससे आपका दिमाग़ साफ़ रहेगा और आप उन्हें बेहतर तरीके से संभाल पाएँगे। बाद में जब आपका दिमाग़ थक जाएगा, तो सरल प्रश्नों का उत्तर देना आपके लिए आसान भी होगा।

प्रियंका सौरभ

हे दयानिधे! जरूरी नहीं, सभी आपके अनुरूप हो

सामयिक आलेख

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी 2025: संस्कृत देवभाषा है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। संस्कृत है तो संस्कार है, संस्कृति है। संस्कृत नहीं तो कुछ भी नहीं। प्रसिद्ध उक्ति भी है, भारतस्य प्रतिष्ठा द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा इति। साफ अर्थ है कि भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति इन्हीं दोनों में निहित है। संस्कृत-संस्कृति का मूल है। कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसमें संस्कृत की उपयोगिता न रही हो। चिकित्सा शास्त्र, अर्थशास्त्र, विमानशास्त्र में सिद्धस्था हासिल करनी है तो संस्कृत को न केवल पढ़ना होगा, अपितु उसे अपने अंदर आत्मसात करना होगा।

जब हम सब इतना जानते हैं। देवभाषा की महत्ता समझते तो फिर गाहे बगाहे मिर्ची क्यों लग जाती है। अभी तो रुको जरा! अभी तो क्लाइमेक्स बाकी है। हरियाणा में एक प्रसिद्ध उक्ति है जिसी नकटी देवी, उसे ऊत पुजारी। अर्थात् जो जैसा व्यवहार करे, उसे उसी रूप में जवाब देना जरूरी है। यदि घर में कोई चाय-कॉफी न पीता हो तो क्या हम इन्हें घर में रखना बंद कर दें। मुझे यदि बैंगन का भरता और अरबी की सब्जी पसन्द नहीं है तो क्या शेष घरवाले इन्हें खाना छोड़ दें। मुझे इत्र लगाना रुचिकर नहीं तो जमाना मेरे लिए इसे प्रयोग करना छोड़ दे। कोई पारले फेब बर्बन का दीवाना है तो मुझ जैसे को पांच रुपये वाले स्वाद भरे शक्ति भरे पारले जी से बेहतर दुनिया में कोई बिस्किट ही नहीं लगता। मुझे खीर चूरमा पसंद है, तो किसी को इडली सांभर। जरूरी नहीं मुझे जो अच्छा लगता हो वो किसी और को अच्छा लगे। लोहे को लोहार की चोट जरूरी है तो सोने को स्वर्णकार की थपकी वाला दुलार।

आप भी आज सोचते होंगे आज मास्टरजी का दिमाग कैसे चकराया हुआ है। क्या-कहा कहे जा रहे हैं? तो सुने! डीएमके के एक सांसद है। नाम है दयानिधि मारन। दादा का नाम करुणानिधि, भाई का नाम कलानिधि। महोदय ने सदन कार्यवाही के अनुवाद में अन्य भाषाओं के साथ संस्कृत को शामिल करने को लेकर आपत्ति जताई है। उनका कहना था कि आप संसद में दिए गए भाषण को संस्कृत नें अनुवाद करके टैक्सपेयर्स के पैसों को क्यों बर्बाद कर रहे हैं। हालांकि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से उन्हें जवाब उसी समय मिल गया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की प्राथमिक भाषा रह चुकी है। यहां बात 22 भाषाओं की बात की है, सिर्फ संस्कृत की ही नहीं। आप मात्र संस्कृत पर ही आपत्ति क्यों जता रहे हैं। बात जब चर्चा में आई तो विरोध और मुखर हो गया है। संस्कृत को चाहने वाले खुलकर विरोध में उतर आए हैं।

तमिलनाडु में भाषाई राजनीति को लेकर मुखर रहने वाली डीएमके की तरफ से इस प्रकार का विरोध कोई पहला नहीं है। हिंदी के प्रयोग को लेकर लगातार आपत्तियां होती रही है। हिंदी ही नहीं सनातन धर्म पर भी उनकी जबान फिसलती रही है। अब देवभाषा संस्कृत विरोधी बयान से फिर चर्चा में आ गए हैं। संस्कृत भाषा देवभाषा है और देवभाषा का अपमान सम्पूर्ण भारत वासियों का अपमान है। कहा भी गया है- "भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा" अर्थात हमारे भारतवर्ष की आन, बान, व शान संस्कृत भाषा से है। भारत में जो भी ज्ञान है, संस्कार है, विविध संस्कृति है वह सारा का सारा ज्ञान संस्कृत भाषा में ही निहित है। चाहे वह वेद हों, पुराण हों, उपनिषद हों, धर्मशास्त्र हो, भाषा का विज्ञान व्याकरण शास्त्र हो, खगोल शास्त्र हो, ज्योतिष शास्त्र हो, वास्तुशास्त्र हो, योग हो, आयुर्वेद हो, नाट्यशास्त्र आदि हो सभी संस्कृत भाषा में ही हैं और इन सब की वैज्ञानिकता और ज्ञान से सारा विश्व परिचित ही है। श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांत तो सभी प्रयोग करते ही है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी अर्थात माँ है और माँ का अपमान कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा है कि संसद के वर्तमान सत्र में डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने संस्कृत को लेकर जो मन गढ़न्त प्रश्न उठाए हैं, उसके खिलाफ सीएसयू केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिवार एक देश व्यापी आन्दोलन करेगा। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रह्मदेव विद्यालंकार ने कहा है कि संस्कृत से ही मूल भारत की पहचान है। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय ने कहा कि दुनिया को पता है कि संस्कृत सनातन की भाषा है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं को पुष्ट करती है। इसलिए इसकी गुणवत्ता किसी से अधिक है।

अंत में दयानिधि का ज्ञान वर्धन भी कर दें। दयानिधि मारन ने कहा कि संस्कृत किसी भी राज्य की आधिकारिक भाषा नहीं है। बता दें संस्कृत उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की दूसरी आधिकारिक भाषाएं है. 2010 में उत्तराखंड ने तो 2019 में हिमाचल को अपनी दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया है। और सुन लें, आपका दयानिधि नाम ही संस्कृत का है। संस्कृत से इतनी ही दिक्कत है तो दयानिधि जी पहले अपना नाम ही बदल लें। आप को संस्कृत से दिक्कत है तो आप मत पढ़ें। जिसको पढ़ना होगा वो पढ़ लेगा।

'संस्कृते सकलं शास्त्रं,संस्कृते सकला कला|
संस्कृते सकलं ज्ञानं, संस्कृते किन्न विद्यते ||'

सुशील कुमार 'नवीन', हिसार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद है।

युवा राष्ट्रीय जनता दल द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (निरसा): धनबाद जिला में युवा राष्ट्रीय जनता दल द्वारा निरसा विधानसभा अंतर्गत चिरकुण्डा नगर परिषद के शहीद चौक पर सदस्यता अभियान चलाया गया.

इस अभियान के दौरान चिरकुण्डा नगर परिषद के तीनों टेंपो स्टैंड, कार स्टैंड और फुटपाथ के दर्जनों लोगों ने सदस्या लिया. युवा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा द्वारा चिरकुण्डा टेम्पो स्टैंड, कार स्टैंड और फुटपाथ के सदस्यता अभियान के लिए मोहम्मद नाजिर अंसारी को सदस्यता जोड़ों प्रभारी मनोनीत किया गया.

इस अवसर पर युवा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, प्रदेश सचिव लाल बाबु यादव, जिला प्रवक्ता शहजाद अंसारी, जिला सचिव विक्रम यादव, दीपक कुमार सिंह, मोहन यादव, गोविंद प्रसाद, मोहम्मद गुलजार, मोहम्मद एहतेसाम, मोहम्मद हमद, मोहम्मद शोएब अख्तर, राहुल, मोहम्मद फरहान खान, मोहम्मद फिरोज खान, विक्रांत मिश्रा, मोहम्मद सन्नी खान, बिट्टू कुमार, नाजिर अंसारी, जॉनी अंसारी, मोनू यादव, शेरू अंसारी, साहेब खान सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

धनबाद जिला बीस सूत्री सदस्यों ने राज्य मंत्री हफीजूल हसन से शिष्टाचार मुलाकात की

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (निरसा): सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री झारखंड सरकार के हफीजूल हसन से मधुपुर स्थित उनके आवासीय कार्यालय में धनबाद जिला बीस सूत्री सदस्यों का एक शिष्टमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात किया और निरसा विधानसभा में गर्मी में होने वाले पानी की जन समस्याओं से अगवत कराया एवं निरसा विधानसभा के कई कब्रिस्तान की चार दिवारी एवं सौंदर्यीकरण पर विस्तार से वार्ता किया गया।

वहीं बीस सूत्री सदस्य निरसा के मोहम्मद शमीम अंसारी ने बताया कि मंत्री ने हर संभव समाधान का आश्वासन दिया।

मौके पर बीस सूत्री सदस्य निरसा मोहम्मद शमीम अंसारी, बीस सूत्री सदस्य जिला धनबाद मोहम्मद कासिम अंसारी के साथ मोइज खान, फैयाज आलम उपस्थित थे।

माता के खान-पान और चाल-चलन का असर जन्म लेने वाले बच्चे पर पडता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

पांच तत्वों में से किसी तत्व की कमी होने पर शरीर रोगी हो जाता है

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि मनुष्य का ये जो शरीर है यह पांच तत्वों से बना है- जल, पृथ्वी, अग्नि, वायु और आकाश। माँ के गर्भ में पहले रज और बीज से पिंड तैयार होता है। जन्म, अस्त, परनामी, वृद्ध, क्षीण और मृत्यु, ये छ: तरह की शक्तियाँ बच्चे को माता के गर्भ में तैयार करती हैं। 'जन्म' शक्ति का काम होता है रज और बीज को मिला देना। 'अस्त' का काम होता है उसके हिस्से अलग कर देना। 'परनामी' शक्ति का काम उसके ऊपर आवरण (पर्दा) लगा देना। 'वृद्ध' शक्ति का काम होता है उस पिंड को बढ़ा देना। इसी तरह 'क्षीण' शक्ति का काम होता है अंग बना देना और 'मृत्यु' शक्ति का काम होता है बच्चे को जन्म दे देना।

शरीर को पांचों तत्वों की जरूरत क्यों पड़ती है?

गर्भावस्था में बहुत से तत्व बच्चे को मां से मिलते हैं और जब वह जन्म लेता है तो तब इन्हीं तत्वों की फिर जरूरत पड़ती है। इसीलिए प्रभु ने पानी, धरती, आसमान, हवा, आग यह सब बाहर भी बना दिया। इन पांचों तत्वों में से जब जिस तत्व की कमी होती है, उसी तरह से विकार शरीर में पैदा हो जाते हैं और शरीर रोगी हो जाता है।

दिव्यांग बच्चे क्यों पैदा होते हैं?

जब ये जन्म, अस्त, परनामी, वृद्ध, क्षीण और मृत्यु शक्तियां सही काम करती हैं तो बच्चा ठीक से जन्म लेता है और ये शक्तियां अगर ठीक से काम नहीं करती है तो दिव्यांग पैदा हो जाता है। इससे बचने के लिए क्या बताया जाता है? गर्भावस्था में माताओं का खान-पान और चाल-चलन बहुत सही होना चाहिए। तभी बच्चे ठीक से माँ के गर्भ में बन पाते हैं नहीं तो दिव्यांग पैदा हो जाते हैं।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम "जयगुरुदेव"

किसी भी बीमारी, दुःख, तकलीफ, मानसिक टेंशन में शाकाहारी, सदाचारी, नशामुक्त रहते हुए जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव की ध्वनि रोज सुबह-शाम बोलिए व परिवार वालों को बोलवाइए और फायदा देखिए।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि मनाई गई

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (बिहार): पूर्णियाँ जिला, बायसी प्रखंड अंतर्गत प्रा० वि० बाँसबाड़ी एवं म० वि० सिमलबाड़ी में संयुक्त रूप से बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि मनाई गई। शिक्षाविद- सह-सेनानी,शिक्षक और समाजसेवी थे साथ ही डॉ० प्रभात ने यह भी बताया कि वे बिहार के दूसरे मुख्यमंत्री थे।

वहीं म० वि० सिमलबाड़ी के प्रधानाध्यापक मो० नाकिद रजा ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस मौक़े पर मो० नूर प्रवेज आलम, बीबी बेनज़ीर फातमा, बीबी नुसरत फातमा, उमेश चंद्र राय, अरबिंद राय, मो० कुदरतुल्ला, मो० मुज़फ्फर, मो० अफ़ज़ल, निगार सुलताना, लाडली बेगम आदि मौजूद थे। समाजसेवी प्रधानाध्यापक डॉ० प्रकाश प्रभात ने कर्पूरी ठाकुर जी को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे एक स्वतंत्रता

पीएम के आगमन को लेकर ग्रामीणों के बीच पर्चा वितरण

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगांव-: विधायक पवन यादव के नेतृत्व में कहलगाँव विधानसभा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र मे लोगों के बीच लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान 24 फरवरी को अधिक से अधिक लोगों को जनसभा मे शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र वितरण भी किया जा रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप कुमार मिश्र ने कहा की भाजपा सरकार की कुशल एवं सफल कृषि नीतियों का परिणाम है कि आज इस क्षेत्र की स्थिति न सिर्फ बेहतर हुई है बल्कि किसानों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है।

धर्म अध्यात्म

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

18 फरवरी जयन्ती पर विशेष

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी 2025: रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी।

1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई जिला स्थापना समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (धनबाद): उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला स्थापना समिति माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 17 फरवरी 2025 को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक के दौरान सेवा संपुष्टि हेतु प्राप्त प्रस्ताव पर समिति द्वारा समीक्षा कर कुल 12 कलर्क, 16 राजस्व उप निरीक्षक, 07 अमीन, 10 अनुसेवक एवं 01 चालक का सेवा संपुष्टि समिति द्वारा किया गया। वही एलडीसी से यूडीसी में 10, यूडीसी से हेड कलर्क में 06 एवं हेड कलर्क से ओएस में कुल 03 लोगों को पदोन्नति

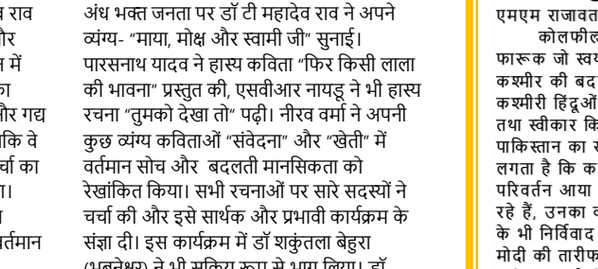

समिति द्वारा किया गया। बैठक में एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, एसडीएम राजेश कुमार, स्थापना उप समाहर्ता दिलीप महतो समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

"सृजन" ने किया व्यंग्य साहित्य चर्चा का ऑनलाइन आयोजन

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (विशाखापटनम): बाईस वर्षों से विशाखापटनम की सक्रिय हिन्दी साहित्य संस्था "सृजन" की 156वीं बैठक में हास्य व्यंग्य साहित्य चर्चा का आयोजन ऑनलाइन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण करते हुए सृजन के वरिष्ठ सदस्य एल चिरंजीव राव (इच्छापुरम) ने उपस्थितों का स्वागत किया और कहा–व्यंग्य लिखना यूं तो कठिन है, पर सृजन में व्यंग्य लिखने वालों की कमी नहीं है। सृजन का उद्देश्य है रचनाकारों को मंच मिले, कविता और गद्य लिखने के लिए प्रोत्साहन मिले, प्रेरणा मिले ताकि वे साहित्य सृजन कर सकें। ऑनलाइन व्यंग्य चर्चा का संचालन सृजन के अध्यक्ष नीरव वर्मा ने किया।

इस कार्यक्रम में डॉ के अनिता ने व्यंग्य कविता "आम आदमी की खास परेशानी"में वर्तमान में समस्याओं से जूझई आम जनता का दर्द व्यंग्यात्मक रूप से सुनाया। मीना गुप्ता (बेंगलूरु) ने वर्तमान में लूट खसोट करती मोटापा कम करने का झांसा देती संस्थाओं पर व्यंग्य कसा अपनी हास्य कविता– "मैं और मेरी डायटिंग"में। हिन्दी साहित्य सृजन की शुरुआत से व्यंग्य के बढ़ते और विधा के रूप में स्थापित होने की बात एल चिरंजीव राव ने अपने लेख- व्यंग्य विधा विचारों की अभिव्यक्ति का चुभता सच" में सुनाया।, सीमा वर्मा ने अपने प्रभावी प्रतीकों के माध्यम से व्यंग्य लेख– "कुत्ता पकड़ो केंद्र" पढ़ा, व्यंग्य कविताएं "कमीज़" और "बिना पढे लिखे" में सामाजिक स्थितियों और सोच पर अपनी बात राखी राम प्रसाद यादव (अमरीका) ने। डॉ मधुबाला कुशवाहा ने बाल मानसिकता और बच्चों की चेष्टाओं पर हास्य कविता "फिर भी मेरे मन को बहुत लुभाते हो" सुनाया। स्वामियों, संतों पर, उनकी सोच और अंध भक्त जनता पर डॉ टी महादेव राव ने अपने व्यंग्य- "माया, मोक्ष और स्वामी जी" सुनाई। पारसनाथ यादव ने हास्य कविता "फिर किसी लाला की भावना" प्रस्तुत की, एसवीआर नायडू ने भी हास्य रचना "तुमको देखा तो" पढ़ी। नीरव वर्मा ने अपनी कुछ व्यंग्य कविताओं "संवेदना" और "खेती" में वर्तमान सोच और बदलती मानसिकता को रेखांकित किया। सभी रचनाओं पर सारे सदस्यों ने चर्चा की और इसे सार्थक और प्रभावी कार्यक्रम के संज्ञा दी। इस कार्यक्रम में डॉ शकुंतला बेहुरा (भुबनेश्वर) ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ मधुबाला कुशवाहा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

सहकारिता क्षेत्र में नवोन्मेषी क्रांति

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी बड़वानी (मप्र): भारत सरकार ने सहकारिता आंदोलन को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। गुजरात के आनंद स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट (इरमा) में देश का पहला सहकारिता विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। इसका नाम सहकारिता आंदोलन के महानायक त्रिभुवनदास पटेल के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने महात्मा गांधी की प्रेरणा से सहकारी क्रांति की नींव रखी और अमूल जैसी सफल सहकारी संस्था को जन्म दिया। यह विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा, लेखा, वित्त, प्रशासन और सहकारी प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण देगा। इससे सहकारी संस्थाएँ अधिक संगठित, पारदर्शी और व्यावसायिक रूप से सक्षम बनेंगी। किसानों, दुग्ध उत्पादकों और सहकारी समितियों को आधुनिक ज्ञान और कुशल प्रबंधन तकनीकों से लाभ मिलेगा। प्रशिक्षित युवा सहकारिता क्षेत्र को वैश्विक मंच पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। गुजरात, जो दुग्ध क्रांति और सहकारी संस्थाओं का केंद्र रहा है, अब इस विश्वविद्यालय के माध्यम से पूरे देश में सहकारिता का स्वर्ण युग लाने के लिए तैयार है। प्रशिक्षित श्रमबल की उपलब्धता से सहकारी समितियाँ अधिक प्रभावी होंगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इससे उनकी आय बढ़ेगी और जीवन स्तर में सुधार होगा। यह विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सहकारिता आंदोलन की मजबूत नींव बनेगा। सरकार का यह दूरदर्शी निर्णय किसानों और सहकारी संगठनों को एक नई पहचान देगा और उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सशक्त भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। सरकार की इस क्रांतिकारी पहल को नमन! यह विश्वविद्यालय सहकारिता आंदोलन की मशाल बनकर लाखों किसानों और ग्रामीण युवाओं को समृद्धि की ओर ले जाएगा।

कश्मीरी मुस्लिम अलगाववादियों की सोच में अब परिवर्तन आने लगा है

एमएम राजावत राज

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (शाजापुर): हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमेन मीर वाइज मोहम्मद उमर फारूक जो स्वयं साढे चार साल से अपने घर में नजर बंद है ने अभी हाल ही में एक बयान दिया है वह कश्मीर की बदलती राजनीति और सामाजिक स्थिति की ओर इशारा करता है। कारण आज उन्होंने कश्मीरी हिंदूओं की वापसी का समर्थन करते हुए उन्हें अलग कालोनी में बसाने का भी विरोध किया तथा स्वीकार किया है कि कश्मीरी आज हिन्दुओं के पलायन के अपराध बोध से ग्रसित हैं। एक समय पाकिस्तान का समर्थन करने वाले मीर वाइज की भाषा मे जिस तरह से अब बदलाव आ रहा है अतः लगता है कि कश्मीर रैली में पिछले 5-6 साल में धारा 370 हटाने के बाद से काफी कुछ हद तक परिवर्तन आया है। फिर यह आजकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में भी काफी कुछ कसीदे पढ़ रहे हैं, उनका कहना है कि वह आज न केवल भारत के प्रधानमंत्री है बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप के भी निर्विवाद नेता है कभी अटल बिहारी वाजपेई की प्रशंसा करने वाले मीरवाइज आज जिस तरह से मोदी की तारीफ कर रहे है लगता है कि अब उनकी सच में काफी परिवर्तन आ गया है अतः हमारा तो यही कहना है कि अब उन्हें कश्मीर घाटी में शांति के प्रयासों को और भी अधिक आगे बढ़ाने में सरकार की हर तरह से मदद करना चाहिए।

धर्म का भूषण

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी 2025: किसी भी मानव के भीतर में स्वार्थ हो सकता है कि मैं अब सही से आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो गया हूँ, अतः मुझे सभी लोग ही नहीं गुरुजन आदि भी सम्माननीय समझें और विशेष आदर सम्मान दें वह अग्रिम पंक्ति में स्थान दें आदि-आदि। हम इस चिन्तन में यह भूल जाते है कि धर्म पैसे से नहीं बल्कि राग-द्वेष से विमुख होने में है। यह कोई नहीं बता सकता कि हमारी आख़िरी साँस कौन सी होगी। हर व्यक्ति यही सोचता है कि अभी मेरे जाने का समय आया नहीं है। यह मिथ्या है। वर्तमान समय भौतिकता वाला है। इस चकाचौंध भरी दुनियाँ में दौलत के पीछे अधिकतर मानव इस क़दर पागल हो गयें है कि वो धन प्राप्त करने के चक्कर में अपना सुख-चैन खो रहे है। वह मानव को ना जीवन में शांति है, ना पर्याप्त नींद है, ना परिवार के लिये समय आदि-आदि है। वह जिस शरीर से मानव काम ले रहा है उसको स्वस्थ रखने के लिये भी उसके पास समय नहीं है। हम देखते है कि मन की लोभी तृष्णा का कोई भी अंत नहीं होता है। हमको जैसे-जैसे सोचा हुआ हाशिल होता है वैसे-वैसे और नयी चाहत हमारी बढ़ने लगती है। वह जिसका जीवन में कभी अंत ही नहीं होता है। हमारे जीवन की इस आपा-धापी में जीवन के स्वर्णिम दिन कब बीत जाते हैं उसका हम्हें भान भी नहीं रहता है। हमारे जीवन में कभी आगे सपने अधूरे रह गये तो किसी के मुँह से यही निकलता है कि कास अमुक काम मैं अमुक समय कर लेता आदि-आदि, वह बस! बचता है तो किसी के कास तो किसी के जीवन में अगर ही आदि-आदि। अतः जीवन के धर्म स्थान में आदरणीय वह है जो धर्म के भूषण से सुसज्जित है और धर्म का भूषण वैराग्य है न कि धनाढ्य होना आदि -आदि।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

वाह वाह सरकारी नौकरी

(शेर)- लेकिन यह भी तो सच्चाई है, कुछ सरकारी कर्मचारी ऐसे भी होते हैं।
होते हैं कामचोर,वलापरवाह-भ्रष्ट, फोकट की मोटी तनख्वाह लेते हैं।।
करते हैं आराम वो काम के समय, या फिर व्यस्त मोबाईल में होते हैं।
सच ऐसे ही सरकारी कर्मचारी, बदनाम सरकारी संस्थाओं को करते हैं।।

मर्जी पड़ी तो किया काम, नहीं तो किया आराम।
ना कोई सजा, ना कोई दबाव, ऐसा है जिसमें आराम।।
हाँ, वह है सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
वाह वाह सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
मर्जी पड़ी तो किया काम-----।।

नौ दिन चले अढ़ाई कोस, ऐसी है रफ्तार काम की।
करवाना है जल्दी काम तो, होती है रिश्वत काम की।।
जुड़वाते जनता से हाथ, करवाते जनता से सलाम।
नहीं है कोई डर और फिक्र, ऐसा है जिसमें आराम।।
हाँ, वह है सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
वाह वाह सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
मर्जी पड़ी तो किया काम-----।।

करते हैं बदसलूकी लोगों से, खुद को सरकार मानकर।
करते हैं परेशान जनता को, कानून का डर दिखाकर।।
मर्जी पड़े तो जाये नौकरी, नहीं तो घर पर आराम।
खूब है मौज, मलाई- जश्न, ऐसा है जिसमें आराम।।
हाँ, वह है सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
वाह वाह सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
मर्जी पड़ी तो किया काम-----।।

मिलती है मोटी तनख्वाह, बहुत सारी मिलती सुविधा।
साकार सभी सपनें होते, नहीं जीवन में कोई दुविधा।।
नहीं कोई चिंता भविष्य की, ऐसा ही है जिसमें इंतजाम।
नहीं खौफ जिसमें नियमों का, ऐसा है जिसमें आराम।।
हाँ, वह है सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
वाह वाह सरकारी नौकरी, वाह वाह सरकारी नौकरी।।
मर्जी पड़ी तो किया काम-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़
साहित्यकार
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

मुसाफ़िर, उसको यक़ीन कितना था

वक़्ते जुदाई मुस्कुरा कर कह गया वो शख़्स मिलेंगें फ़िर कभी,
अजनबी तो था, दो पल का मुसाफ़िर, उसको यक़ीन कितना था,
उसकी बेवफ़ाई का ज़वाल हमसे न अब इस तरह पुछे कोई,
निगाहें जिसकी जिगर को चाक गईं,वो हसीं मासूम कितना था,
जी चाहता था दर्द मैं उसके ख़रीद लुं बढ़कर यक़ीनन सारे ही,
मगर न पुछिये लोगों,दर्द पर भारी उसका ज़मीर कितना था,
ज़िंदगी को ख़रीदने की चाहत सबके दिलों में नज़र आती है,
ज़िंदंगी क़रीब मौत के ले आई, वादा मगर हसीन कितना था,
रफ़्ता रफ़्ता तॉल्लुक़ात उससे सभी टुट कर ही रहे आख़िर,
उसके हसीन वादों पर न पुछिये हमसे हमको यक़ीन कितना था,
एक मुस्कुराहट में ही हमको ख़रीद लिया जिसने सोचो तो,
"मुश्ताक़" तो नादान था, लेकिन ख़रीददार ज़हीन कितना था,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

61वाँ म्युनिख (जर्मनी) सुरक्षा सम्मेलन 14-16 फ़रवरी 2025 का आगाज़

भारत एक सफ़ल लोकतांत्रिक देश जो लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का करीब करीब हर देश किसी न किसी वैश्विक मंच में हितधारक होने के नाते से जुड़ा है, जिससे उनके हितों को बल मिलता है व उनके देश के बारे में दुनियाँ को गहराई से जानने में अनेक देश उत्सुक होते हैं, जिससे उन्हें वैश्विक पहचान मिलती है, उनकी खूबियाँ वैश्विक पटल पर आती है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मंच अधिकृत हैं जिनमें पारित प्रस्ताव को सभी सदस्य देशों को मानना पड़ता है, तो कई निजी मंच भी होते हैं जिनमें से एक है, म्युनिख (जर्मनी) सुरक्षा सम्मेलन जो अभी जर्मनी के म्यूनिख में 61वाँ सम्मेलन 16 फरवरी 2025 को समाप्त हुआ, जिसमें तीनों दिन तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति, भारतीय विदेश मंत्री और गृहमंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति सहित 60 से अधिक नेता क्रमवार शामिल हुए। तीन दिनों तक अनेक विषयों पर चर्चा की गई जिसमें यूक्रेन-रूस युद्ध समस्या सुलझाना, लोकतंत्र को मजबूत करना सहित तीनों दिन अनेक विषयों पर क्रमवार चर्चा की गई। इस सम्मेलन में, संवाद के माध्यम से शांति विषय के अंतर्गत, नाटो और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञोंके साथ-साथ चीन,भारत ईरान जापान दक्षिण कोरिया और रूस जैसे अन्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों को सुरक्षा और रक्षा नीतियों में वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन का उद्देश्य सामयिक मुख्य सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करना तथा नेटवर्क सुरक्षा की अवधारणा के अनुरूप वर्तमान और भविष्य में मुख्य सुरक्षा चुनौतियों पर बहस और विश्लेषण करना है। सम्मेलन का मुख्य बिंदु 21वीं सदी में ट्रान्साटलांटिक संबंधों के विकास के साथ-साथ यूरोपीय और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा और विचारोंका आदान-प्रदान है। सम्मेलन निजी तौर पर आयोजित किया जाता है और इसलिए यह कोई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं है। इसका उपयोग केवल चर्चा के लिए किया जाता है। चूँकि भारत ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में सहभागी होकर अपने विचार रखे इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे 6वें म्युनिख (जर्मनी)सुरक्षा सम्मेलन 14 से 16 फरवरी 2025 का आगाज़।

साथियों बात अगर हम म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन को समझने की करें तो, पिछले चार दशकों में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नीति निर्णयकर्ताओं द्वारा विचारों के आदान-प्रदान के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्वतंत्र मंच बन गया है। हर साल यह दुनियाँ भर के 70 से अधिक देशों के लगभग 350 वरिष्ठ लोगों को वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों पर गहन बहस में शामिल होने के लिए एक साथ लाता है। उपस्थित लोगों की सूची में राष्ट्राध्यक्ष,सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख, मंत्री, संसद के सदस्य,सशस्त्र बलों, विज्ञान, नागरिक समाज के उच्च पदस्थ प्रतिनिधि, साथ ही व्यापार और मीडिया शामिल हैं। यह सम्मेलन हर साल फरवरी में आयोजित किया जाता है। इसका आयोजन स्थल म्यूनिख ,बवेरिया जर्मनी में होता है। इस सम्मेलन में, संवाद के माध्यम से शांति विषय के अंतर्गत, नाटो और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ-साथ चीन, भारत, ईरान, जापान, दक्षिण कोरिया और रूस जैसे अन्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों को सुरक्षा और रक्षा नीतियों में वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य सामयिक मुख्य सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करना तथा नेटवर्क सुरक्षा की अवधारणा के अनुरूप वर्तमान और भविष्य में मुख्य सुरक्षा चुनौतियों पर बहस और विश्लेषण करना है। सम्मेलन का मुख्य बिंदु 21वीं सदी में ट्रान्साट लांटिक संबंधों के विकास के साथ-साथ यूरोपीय और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा और विचारों का आदान -प्रदान हैसम्मेलन निजी तौर पर आयोजित किया जाता है और इसलिए यह कोई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं है।बाध्यकारी अंतर-सरकारी निर्णयों के लिए प्राधिकरण मौजूद नहीं है। इसके अलावा, सामान्य परंपराओं के विपरीत-कोई आम अंतिम विज्ञप्ति नहीं है। उच्च स्तरीय बैठक का उपयोग प्रतिभागियों के बीच अलग-अलग पृष्ठभूमि चर्चाओं के लिए भी किया जाता है। अपवाद वैश्विक राजनीतिक निर्णयों की प्रस्तुति है, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच न्यू स्टार्ट निरस्त्रीकरण समझौते के लिए अनुसमर्थन के साधनों काआदान-प्रदान जो 2011 में सुरक्षा सम्मेलन के समापन पर आयोजित किया गया था।

साथियों बात अगर हम म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री भारत द्वारा प्रतिनिधित्व कर अपने विचार प्रकट करने की करें तो, उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ मुद्दे पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देशों के बीच एकता जरूरी है। पीएम के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद की फंडिंग के लिए सीमा पार संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही नई तकनीक के विकास के कारण आतंकवादियों के लिए धन के प्रवाह के लिए उपयोग किए जाने वाले स्रोत, तरीके और चैनल तेजी से पेचीदा होते जा रहे हैं। यह वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने आतंकी फंडिंग का मुकाबला करने, जोखिमों को लेकर सतर्क होने और नई दिल्ली में आयोजित एनएमएफटी सम्मेलन 2022 की चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय सहयोग के मुद्दे पर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए जर्मन सरकार का आभार जताया।

साथियों बात अगर हम भारतीय विदेश मंत्री द्वारा रखें अपने विचारों की करें तो, भारत चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र के प्रति वफादार है। भारत हमारे सामने आने वाली सभी चुनौतियों के बावजूद, यहां तक कि कम आय के बावजूद, लोकतांत्रिक मॉडल के प्रति वफादार रहा है, जो कि दुनियाँ के हमारे हिस्से में भी देखने को मिलता है। हम लगभग एकमात्र देश हैं जिसने ऐसा किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत को एक ऐसे लोकतंत्र के रूप में रेखांकित किया जो परिणाम देता है। प्रचलित राजनीतिक निराशावाद से असहमत। विदेशी हस्तक्षेप पर अपने विचार व्यक्त किए। जयशंकर के अलावा, पैनल में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रजास्कोवस्क शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता देता है। इस प्रकार उन्होंने अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन की इस टिप्पणी का खंडन किया कि लोकतंत्र खाने की व्यवस्था नहीं करता।

साथियों बात अगर हम अंतिम सत्र भूमि बहाली और सुरक्षा पर बातचीत की करें तो, जब भूमि संघर्ष का स्रोत बन जाती है? तीन अरब लोगों के लिए, भूमि उनके अस्तित्व और विकास के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन वैश्विक भूमि का 20 से 40 प्रतिशत हिस्सा पहले से ही क्षरित या क्षरित हो रहा है, कई समुदाय इस महत्वपूर्ण संसाधन को अपनी आँखों के सामने गायब होते हुए देखते हैं। जैसे-जैसे स्वस्थ भूमि दुर्लभ होती जाती है, उत्पादक भूमि पर प्रतिस्पर्धा और विवाद अधिक होते जाते हैं। पिछले 60 वर्षों में, 40 प्रतिशत अंतरराज्यीय संघर्ष प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े रहे हैं। हालाँकि, भूमि बहाली की सहयोग, लचीलापन-निर्माण और शांति-प्रेरक क्षमता का अभी भी पूरी तरह से लाभ नहीं उठाया गया है। इस अंतर को पाटने के लिए, मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीसीडी) ने भूमि, शांति और सुरक्षा के बीच संबंधों पर ग्राउंड फॉर पीस रिपोर्ट तैयार की , जिसे थिंक टैंक एडेल्फी रिसर्च ने साकार किया और 2024 में यूएनसीसीडी के 16वें सम्मेलन में प्रस्तुत किया। रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर, यूएनसीसीडी और एडेल्फी रिसर्च द्वारा आयोजित यह वार्तालाप इस बात की पड़ताल करता है कि सुरक्षा समुदाय के लिए भूमि क्यों मायने रखती है। यह भूमि क्षरण, संघर्ष और मानव सुरक्षा के बीच संबंधों और संघर्ष को रोकने, सहयोग को बढ़ावा देने और लचीलेपन को मजबूत करने में भूमि बहाली की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 61वाँ म्युनिख (जर्मनी) सुरक्षा सम्मेलन 14-16 फ़रवरी 2025 का आगाज़। भारत एक सफ़ल लोकतांत्रिक देश जो लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है। आज़ादी के बाद भारत ने लोकतंत्र को अपनाया क्योंकि हमारी संस्कृति शुरू से ही परामर्श और बहुलतावाद पर आधारित रही है, सराहनीय विचार है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

व्यंग्य को अस्त्र मानते लेखक का सृजन: इकतारा बोले

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी 2025: व्यंग्य एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिसे लेखक अपनी बात पाठक तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचा सकता है। हिंदीतर भाषी डॉ टी महादेव राव एक अच्छे व्यंग्यकार हैं। हिंदी भाषा का बेहतर इस्तेमाल करते हैं। भाषा पर इस अधिकार के लिए डॉ राव साहब को पहले ही बधाई दे देता हूं। संग्रहों के बारे में एक मित्र का कहना है कि चयन करते समय लेखक पहले अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का चयन करते हैं फिर यदि जगह बच जाए यानि पृष्ठ पूरे करने के लिए अंत में हल्की रचनाओं को भी शामिल कर लेते हैं। इसलिए मैं अक्सर संग्रह को अंत से पढ़ना शुरू करता हूं। इस व्यंग्य संग्रह में अंतिम व्यंग्य है आ गया असंतुष्टों का समय और मुझे लगा संग्रह का वह बेहतरीन व्यंग्य कहलाने का अधिकारी यह लेख है। कुल मिलाकर देखें तो इन छोटे-बड़े सत्तर व्यंग्य लेखों में डॉ टी महादेव राव में छिपे खतरनाक और मारक व्यंग्यकार सक्रिय दिखाई पड़ते हैं।

डॉ टी महादेव राव की कलम ऐसी कि आज के व्यंग्यकारों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करने में सक्षम हैं। एक जगह डॉ टी महादेव राव कहते हैं कि शिशुपाल के सौ गलियां खाकर कृष्ण ने सुदर्शन चक्र घुमाया। लेकिन बताओ शिशुपाल ने कृष्ण को क्या दिया? कुछ नहीं, जबकि हमें वोट देकर जिताने वाली जनता को हमें गालियां देने का मौका तो मिलना ही चाहिए। वैसे भी गालियां देने लायक एनर्जी कहां है लोगों में?

डॉ टी महादेव राव एक संस्थान में राजभाषा अधिकारी के रूप में तीस वर्ष का का समय बिताया है लेकिन फिर भी उनकी भाषा ओजपूर्ण और सटीक लगती है क्योंकि हिंदी अधिकारी की भाषा एक सांचे में ढली होती है उसे कुछ निश्चित अवसरों के बारे में निश्चित शब्दावली में लिखना होता है परंतु डॉ टी महादेव राव ने हिंदी को कुछ इस तरह से पढ़ा सीखा कि वह उनकी मातृभाषा या बोल चाल की भाषा लगती है। हिंदी में लिखने में हिंदी का मुहावरा इस्तेमाल हुआ है। भाषा पर इस अधिकार के लिए डॉ महादेव राव को मैं बधाई देता हूं।

साहित्य में व्यंग्य विधा का अपना विशिष्ट स्थान है जीवन की विविध परिस्थितियों ऐसे अवसर उत्पन्न करती हैं जिन पर चुटकी लिए बिना नहीं रहा जा सकता। जिन विषयों पर साधारण आदमी मौन साध लेता है या फिर अधिक रुचि नहीं दिखाता, उन्हीं हालातो पर एक सच्चा व्यंग्यकार चुटकी लिए प्रतिक्रिया देकर जनमानस को झिंझोड्ने का सच्चा प्रयास करता है। हृदय को स्पर्श कर जाता है। व्यंग्य का राजनीति हो या सामाजिक सभी प्रकार की परिस्थितियों पर तीखा प्रहार करता है। उसकी लेखनी में व्यवस्था के विरुद्ध विद्रोह आक्रोश और व्यंग्य का स्वर प्रस्तुत होता है। इसी व्यंग्य विधा में अपने लेखक को लिखने को आजमाने का सफल प्रयास किया है डॉ टी महादेव राव ने अपने व्यंग्य संकलन "इकतारा बोले" के माध्यम से।

इस संग्रह में व्यंग्य का कार्य जीवन विषाक्त कर पूरे वातावरण में फैले हुए राजनीति के कीटाणु और आसपास घटती सारी समस्याओं में राजनीति का पुट उनको व्यंग्य लिखने के लिए प्रेरित करता है। डॉ देवधर महंत द्वारा बखूबी संपादित इस "इकतारा बोले" संग्रह में डॉ टी महादेव राव इस संगह की सत्तर रचनाओं में पौराणिक प्रतीकों के माध्यम से तो कहीं राजनीतिक एवं सामाजिक वर्णन को अपनी तीखी कटाक्ष भरी भाषा में लेते हुए व्यंग्य करते हुये अपने कर्तव्य का सफलतापूर्वक निर्वहन करते नजर आते हैं। सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवमूल्यन देश के सांस्कृतिक धरोहर को खोखला कर देगा दीमक की तरह काम कर रही तथाकथित अधिकतावादी शक्तियों पर भी लेखक ने तंज किया है। साहित्य की इस विधा में योगदान के लिए लेखक बधाई के पात्र हैं। मेरा तो मानना है कि डॉ टी महादेव राव ने किसी भी विषय को, किसी भी सामाजिक विद्रूपता को नहीं बख्शा है, हर विषय, हर स्थिति पर उनके व्यंग्य बाण चले हैं, और खूब चले हैं। विषयवस्तु के प्रभावशीलता के साथ साथ कलेवर, प्रस्तुति और त्रुटि हीनता के कारण पुस्तक न केवल पठनीय है बल्कि संग्रहणीय भी है।

पुस्तक – इकतारा बोले (व्यंग्य संग्रह)
लेखक – डॉ टी महादेव राव
सम्पादक – डॉ देवधर महंत
प्रकाशक – शब्दगाथा प्रकाशन समूह एम जी रोड ओल्ड पनवेल, नवी मुंबई, रायगढ़, महाराष्ट्र 410206
पृष्ठ – 170 मूल्य रु 299/-
समीक्षक – नीरव कुमार वर्मा
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

नीरव कुमार वर्मा

आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक स्वाभिमान जागरण का जीवंत दस्तावेज - आस्था के दीप

कोलफील्ड मिरर 18 फरवरी 2025: मेरे हाथों में इस समय श्री आत्माराम यादव जी द्वारा लिखित आस्था के दीप पुस्तक सुशोभित है। प्रख्यात पत्रकार, चिंतक एवं विचारक डॉ मयंक चतुर्वेदी जी के संपादन में एवं लेखा यादव जी के सह संपादन में तैयार यह पुस्तक प्रथम दृष्टया मन मोह लेती है। हितेश थुदगर द्वारा लिए गए चित्र को आवरण पर स्थान देकर संपादक जी ने अपनी कलात्मक अभिरुचि को ही दर्शाया है। मां नर्मदा के तट पर सेठानी घाट पर करतब दिखाते एक कलाकार का आवरण पर दर्शन लेखक एवं संपादकों का मध्यप्रदेश के लोक से जुड़ाव सहज ही परिलक्षित कर देता है। इस पुस्तक में आत्माराम यादव जी ने मां रेवा एवं उसके तट से जुड़े धार्मिक स्थलों, लोक देवता और लोक मान्यता प्राप्त संतो को केंद्र में रखकर अत्यंत सारगर्भित एवं प्रामाणिक लेखन प्रस्तुत किया है। उनका यह लेखन सलकनपुर जैसे चैतन्य स्थान के विवरण के साथ, रामजीबाबा धाम को समझते हुए, लोक देवता हरदोल लाला तक पहुंचता है। बुंदेलखंड होते हुए यह यात्रा लोक देवता भिलट देव तक पहुंचती है।

मध्यप्रदेश का जन-जन भिलट देव के प्रति अत्यधिक श्रद्धा भाव रखता है। विशेषकर निमाड़ के लोक में भिलट देव,कारस देव,सिंगाजी महाराज, संत कालू जी ग्वाल, दलुदास जी ग्वाल सहित सनातन परंपरा में अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रवर्तक और ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र में रचे बसे आदि शंकराचार्य जी जनसामान्य के लिए देवतुल्य रहे हैं। संत परंपरा की यह विवरणी यहीं नहीं थमती, इससे आगे नर्मदा परिक्रमा के सूत्रधार संत कमल भारती जी तथा लाल पादरी के नाम से प्रख्यात ब्रह्मर्षि गौरी शंकर जी महाराज, पूज्य केशवानंद धूनी वाले दादा, तपस्विनी जानकीदास बाई राम, ओंकारानंदजी गिरी, हरेराम जी महाराज, संत राधे बाबा, तपस्विनी जोगेश्वरी बाईराम, माताजी महंत कौशल्या दास माई राम, पतई वाले बाबा संत रामस्वरूप महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी माधवानंद गिरी जी महाराज, महंत दौलत दास जी ग्वाल, भक्त नित्यानंद जी और छोटे दादा जी के नाम से ख्याति प्राप्त धूनी वाले दादाजी सहित अनेक संतों के जीवन चरित्र और उनकी पीयूष वाणी को अत्यंत रोचक ढंग से लिखकर प्रस्तुत किया गया है। लेखक एवं संपादक जी की यह उदार दृष्टि ही है कि उन्होंने हनुमान भक्ति के लिए प्रसिद्ध रही कृष्णा गाय के समाधि स्थल को भी अपने लेखन का विषय बनाया है। लोक में प्राणी मात्र में ईश्वर देखने की भावना इस लेखन के पीछे मूल रूप से दिखाई देती है। श्री दीनदास जी, संत रंगनाथ जी आदि को भी लेखक ने अत्यंत श्रद्धा के साथ स्मरण किया है।

नर्मदा अंचल में दीपावली पर गुजरी और ग्वालिन का पूजन अत्यंत महत्व रखता है। इस परंपरा को भी लेखक ने पुस्तक में सम्मान के साथ ही स्मरण किया है। उसका एक विशिष्ट सौंदर्य यह भी है कि उसमें अध्यात्म से जुड़े कुछ विमर्षात्मक विषय भी सम्मिलित किए गए हैं। विशेषकर सुंदरकांड के नामकरण को लेकर एक अत्यंत सार्थक चर्चा भी लेखक ने प्रस्तुत की है। इस विषय पर यूं तो लेखक ने अपने अनेक विचार प्रस्तुत किए हैं किंतु मुझे लगता है आधुनिक संदर्भों में समाज संगठन की दृष्टि से एक विषय अवश्य स्मरण रखना

चाहिए कि पूरी रामचरितमानस में सुंदरकांड ही वह अध्याय है जिसमें परिवार के बड़े, परिवार के युवाओं को पीठ पर हाथ रखकर यह कहते हैं कि "तुममें शक्ति है तुम यह काम कर सकते हो" और परिवार के युवा भी हनुमान के रूप में अपने बड़ों के जामवंती आदेश का पालन करते हुए उनकी प्रत्येक कसौटी पर खरे उतरते हैं। आज परिवार और समाज में इस बात की अत्यधिक आवश्यकता है कि हम आने वाली पीढ़ी की ऊर्जा पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें प्रत्येक कार्य के लिए प्रोत्साहन देते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दें।

आत्माराम जी की पुस्तक यूं तो आध्यात्मिक जगत के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी क्योंकि इस पुस्तक में संत शक्ति के साधना पक्ष को भी रेखांकित करने में अत्यंत सतर्कता रखी गई है। स्वाभाविक रूप से लाला हरदौल जैसे लोक देवता इस बात की प्रेरणा भी देंगे कि धर्म रक्षण, धर्म पालन से अधिक महत्वपूर्ण होता है और इसके लिए अपने प्राणों की आहुति दे देना भी अल्प मूल्य ही माना जाएगा।

इस पुस्तक की एक और बड़ी विशेषता है अनेक पौराणिक आख्यानों को रोचक ढंग से पुनर्लेखन करना। उदाहरण के लिए दशरथ के श्राद्ध की गवाही न देने पर सीता का श्राप हो अथवा राम से मित्रता के बाद सुग्रीव का भयहीन होना हो अथवा भरत से हार कर राम का जीत की खुशी मनाने जैसा अवसर हो प्रत्येक प्रकरण पाठकों के लिए नया होने के साथ-साथ अत्यंत रोचक भी बन जाता है। राम के न्यायालय में श्वान को न्याय प्राप्ति का प्रकरण भी उसी परंपरा का एक आलेख है। गुरु नानक देव जी के नर्मदा अंचल में हुए प्रवास के समय अल्प खाँ होशंग के द्वारा उनका शिष्यत्व स्वीकार लेना मुगलकालीन ऐसा कथानक है जिसे पढ़कर पाठकों के मन में हिंदू धर्म और दर्शन के प्रति गौरव का भाव जागरण सहज हो जाएगा।

कुल मिलाकर यह कृति भारतीय समाज के आध्यात्मिक जीवन मूल्यों को पोषण देने वाली तथा उनके खोए स्वाभिमान को जागृत करने वाली पुस्तक सिद्ध होगी। पुनः लेखक श्री आत्माराम यादव जी और संपादक डॉ मयंक चतुर्वेदी जी को हृदय से बधाई देता हुँ।

डा. विकास दवे
निदेशक
साहित्य अकादमी
मध्यप्रदेश शासन
भोपाल

नशा मुक्ति अभियान से जागरूकता की दरकार

कोलफील्ड मिरर 18 फ़रवरी 2025: नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाला नुकसान हमारी कल्पना से कहीं अधिक घातक और जानलेवा होता है। खास तौर से युवाओं के बीच नशीले पदार्थों के सेवन का बढ़ता चलन अब एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। किसी भी प्रदेश का भविष्य और तरक्की वहां के युवाओं पर टिकी होती है। देश की युवा पीढ़ी अगर गलत रास्ते पर चली जाए तो निश्चित तौर पर उनका जीवन अंधकारमय हो सकता है। नशे का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी बुरा असर पड़ता है। नशीले पदार्थो के सेवन के कुछ उदाहरण भी देखने को मिलते है| कुछ लोग शराब पीकर रातों को बने शहंशाह सुबह हो जाते भिखारी बच्चे स्कूल जाते समय पापा से मांगते पॉकेट मनी ताकि छुट्टी के वक्त दोस्तों को खिला सके चॉकलेट| फटी जेब और खिसियानी हंसी बच्चों को दे न पाती पॉकेट मनी और उनके लिए कभी कुछ कर न पाती बच्चों के चेहरे की हंसी को छीन लेती और उजाड़ जाती जिंदगी में बने हुए ख्वाब। ऐसी कई परिस्थियाँ निर्मित होती है| जिससे स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता ही है साथ ही आर्थिक स्थिति भी कमजोर बनती है| नशीले पदार्थो के बढ़ते चलन पर अंकुश लगना चाहिए| इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने की आवश्यकता है| तम्बाकू सेवन व् धूम्रपान के उपयोग को देखे तो अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार इस प्रकार के परोक्ष धूम्रपान के कारण विश्व भर में दो लाख व्यक्ति प्रतिवर्ष मर जाते है| ग्लोबल यूथ टोब्बेको सर्वे के अनुसार परोक्ष धूम्रपान से 36.4 प्रतिशत बच्चे घरों में प्रभावित हो रहे है और विश्व में 70 करोड़ बच्चों को निष्क्रिय धूम्रपान का शिकार होना पड रहा है| अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन में 31 मई को नो टोबेको-डे घोषित किया है| जिसका उदेश्य तंबाकू के सेवन में कमी लाना है| इससंबंध में किए गए प्रयास के अंतर्गत 18 मई 2003 को तंबाकू के बढ़ते हुए उपयोग पर प्रतिबंध हेतु भारत सरकार ने तंबाकू नियंत्रण अधिनियम पास किया है| जिसे सन 2008 से लागु किया गया है| अधिनियम में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादन बेचने पर प्रतिबन्ध, तम्बाकू उत्पादों पर चित्रमय स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित होनी चाहिए (कई स्थानों पर लगी भी है), सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करने तथा किसी अवयस्क को तंबाकू उत्पाद बेचने के अपराध में जुर्माना हो सकता है| समस्त क़ानूनी प्रतिबंधों के उपरांत भी तंबाकू सेवन पर पूर्ण प्रतिबन्ध नहीं हो पाया है। तंबाकू सेवन पर प्रतिबंध हेतु अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, मीडिया, जन प्रतिनिधियों व जनता का सक्रिय सहयोग अति आवश्यक है। अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू एवं धूम्रपान निषेध दिवस का मुख्य उदेश्य युवाओं, छात्र, छात्राओं एवं जनसामान्य में बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश के लिए इसके दुष्परिणामों से अवगत करा कर जान लेवा बीमारियों से बचाना है| सामाजिक संगठनों, स्वयं सेवी संगठनों शिक्षण संस्थानों, नगर निकायों, ग्राम पंचायतो, विभिन्न शासकीय कार्यालयों द्वारा अपने स्तर पर कार्यक्रम जैसे- वाद-विवाद, निबंध लेखन, चित्र कला, नाटक, काव्य गोष्ठी, प्रश्न मंच, गायन, नृत्य आदि कार्यक्रम आयोजित कर जागरूकता लाने का प्रयत्न करें| तंबाकू छोड़ने के लिए अभी तक कोई दवाई, टीका इंजेक्शन या गोली कारगर नहीं साबित हुई है| पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में छोटी छोटी बातों पर अमल कर सहयोग कर सकते है| निकोटिन भी हमारे पर्यावरण को जहरीला बनाता है। महज 8 या 10 मिनट तक के परोक्ष धूम्रपान से व्यक्ति के रक्तचाप में वृद्धि, हृदय की धड़कनों में वृद्धि, खून की नलिकाओं में सिकुड़न जैसे घातक प्रभाव पड़ते है। धूम्रपान का धुँआ पर्यावरण और इंसान की सेहत बिगाड़ रहा है। यदि व्यक्ति अपनी,अपनों की एवं सारे संसार की खुशहाली जिंदगी चाहता है तो उसे आज से ही तंबाकू का सेवन बंद कर देना चाहिए| दृढ़ इच्छाशक्ति के बिना इसे छोड़ा नहीं जा सकता है| अपनी व अपने परिवार की खुशहाली के लिए तंबाकू, धूम्रपान से दूर रहने का प्रयत्न करना चाहिए|

संजय वर्मा "दृष्टि"